छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

रायपुर

बुधवार 04 नवंबर 2026

वर्ष-07, अंक-307

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

नेपाल में लैंडिंग के दौरान 2 हेलिकॉप्टर टकराए, भारतीय पर्यटक की मौत



नई दिल्ली। नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में मंगलवार सुबह लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकरा गए। हादसे में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि न्यूजीलैंड का एक भारतीय मूल का नागरिक घायल हो गया। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकराए थे।हादसा सुबह 8:11 बजे सोलुखुम्बु जिले के फेरीचे हेलीपैड पर हुआ। यहां फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी के हेलिकॉप्टर उतरने की कोशिश कर रहे थे।अधिकारियों के मुताबिक फिशटेल एयर के हेलिकॉप्टर में सवार भारतीय पर्यटक वसंत कुमार बालारामारामाडु की मौत हुई है। इसी हेलिकॉप्टर में सवार न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल घायल हुए हैं। वे भारतीय मूल के हैं।नेपाल में पहाड़-घाटियां, बदलता मौसम, जोखिम भरे रनवे विमान या हेलिकॉप्टर हादसे की मुख्य वजह हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकटों की मांग फाइनल से भी ज्यादा



नई दिल्ली। 2023 वनडे वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान मोहम्मद रिजवान को आउट करने के बाद जश्न मनाते रवींद्र जडेजा। वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। 10 अक्टूबर के इस मैच के टिकटों के लिए 84 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जोहान्सबर्ग के स्टेडियम की दर्शक क्षमता सिर्फ 34 हजार है। यानी उपलब्ध सीटों के मुकाबले करीब 247 गुना ज्यादा आवेदन आए हैं। मामले में भारत-पाकिस्तान मुकाबला पहले नंबर पर है।-पाकिस्तान मैच के लिए कुल 83,97,294 टिकट आवेदन मिले हैं।

तूफान मुरासु का केंद्र आंध्र प्रदेश से आगे बढ़ा,30 फ्लाइट्स कैंसिल



चेन्नई। चक्रवाती तूफान मुरासु आंध्र प्रदेश से आगे बढ़कर तेलंगाना की ओर चला गया है। हालांकि, इसका एक हिस्सा अब भी आंध्र के तट से गुजर रहा है। इसके असर से विजयवाड़ा समेत कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने मंगलवार शाम तक तेज हवाएं चलने और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।मुरासु सोमवार रात करीब 1 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। इस दौरान 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मंगलवार सुबह 5:30 बजे तूफान का केंद्र तट पार कर गया।

वोटिंग से कुछ घंटे पहले अमेरिका का ईरान पर हमला



तेहरान। अमेरिका में मंगलवार को मिडटर्म चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। इससे पहले सोमवार को ईरान के केश्म द्वीप पर कम से कम पांच जोरदार धमाके हुए। कुछ दूर पर बंदर लेंगेह शहर में भी विस्फोट की खबर है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अधिकारियों के हवाले से दावा किया है कि यह हमला अमेरिका ने किया है। हालांकि, ईरानी मीडिया ने इसके पीछे अमेरिका या इजराइल का हाथ होने की पुष्टि नहीं की है। उसने अमेरिका के दो MQM-170 जासूसी ड्रोन मार गिराने का दावा किया है। ईरान ने अमेरिकी जारी किया है। सरकारी चैनल IRIB ने फुटेज जारी किया है।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 36 विभूतियों एवं संस्थाओं को राज्य अलंकरण से किया



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने आज नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के समापन समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों एवं संस्थाओं को प्रतिष्ठित राज्य अलंकरण पुरस्कारों से सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित इस समारोह में साहित्य, कला, संस्कृति, पत्रकारिता, खेल, कृषि, समाजसेवा, जनजातीय उत्थान, महिला सशक्तिकरण, सहकारिता, श्रम, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मान प्रदान किया गया।

राज्य अलंकरण से सम्मानित विभूतियों एवं संस्थाओं का विवरण

शहीद वीरनारायण सिंह स्मृति सम्मान आदिवासी सामाजिक चेतना तथा उनके उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए धमतरी जिले के श्री डुमन लाल ध्रुव को प्रदान किया गया।यति यतनलाल सम्मान अहिंसा एवं गोरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दुर्ग जिले के विश्व गीता धेनू गोविन्द पक्षी सेवा धाम, कुम्हारी को प्रदान किया गया।

गुण्डाधूर सम्मान खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कोरबा जिले की सुश्री संजू देवी को प्रदान किया गया।

मिनीमाता सम्मान महिला उत्थान एवं जनजागृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए लोक आस्था सेवा संस्थान, गरियाबंद (सुश्री लता नेताम) को प्रदान किया गया।गुरु घासीदास सामाजिक चेतना एवं अनुसूचित जाति उत्थान सम्मान सामाजिक चेतना एवं दलित उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए कबीरधाम जिले के श्री सुखचंद भास्कर को प्रदान किया गया।ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए बस्तर जिले की प्राथमिक कुडुक मछुवा सहकारी समिति मर्यादित, चित्रकोट (श्री धनसिंह बघेल) को प्रदान किया गया।

हबीब तनवीर सम्मान समकालीन रंगकर्म, छत्तीसगढ़ी, हिन्दी एवं अन्य भाषा नाटकों के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले के डॉ. पुरुषोत्तम चन्द्राकर को प्रदान किया गया।महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन, विशेष रूप से तीरंदाजी के लिए बालोद जिले के श्री टोमन कुमार को प्रदान किया गया।पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए बिलासपुर जिले के तेजस्विनी सेवा प्रतिष्ठान, नेहरू नगर को प्रदान किया गया।पं. सुन्दरलाल शर्मा सम्मान हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रायगढ़ जिले के डॉ. बिहारीलाल साहू को प्रदान किया गया।

चक्रधर सम्मान शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले के डॉ. एम. श्रीराम मूर्ति को प्रदान किया गया।दाऊ मंदराजी सम्मान लोक नाट्य एवं लोक शिल्प के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रायपुर जिले की श्रीमती रेखा जलक्षत्री को प्रदान किया गया।



कार्य के लिए रायगढ़ जिले के बाबूलाल अग्रवाल को प्रदान किया गया

डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कबीरधाम जिले के श्री पुन्नीदास भट्ट को प्रदान किया गया।महाराजा अग्रसेन सम्मान सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए रायगढ़ जिले के श्री बाबूलाल अग्रवाल को प्रदान किया गया।

चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार हिन्दी प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रायपुर जिले के श्री प्रमोद कुमार साहू को प्रदान किया गया।चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार हिन्दी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले के श्री बरुण सखाजी एवं सुश्री रसिका पांडेय को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार अंग्रेजी प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रायपुर जिले के श्री शिशिर रॉय चौधरी को प्रदान किया गया।

धन्वन्तरि सम्मान आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा तथा शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए धमतरी जिले के डॉ. दिनेश कुमार नाग को प्रदान किया गया।श्रीमती बिलासादेवी केंवट मत्स्य विकास पुरस्कार मछली पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए बालोद जिले के श्री प्रदीप कुमार सोनी को प्रदान किया गया।

राजेश्री महंत वैष्णवदास जी महाराज संस्कृत भाषा पुरस्कार संस्कृत भाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले के डॉ. बहुरन सिंह पटेल को प्रदान किया गया।

डॉ. भंवरसिंह पोर्ते आदिवासी सेवा पुरस्कार आदिवासियों की सेवा और आर्थिक उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल, नवा रायपुर (श्री सी. श्रीनिवास यंगम) को प्रदान किया गया।स्व. रामानुज प्रताप सिंहदेव स्मृति श्रम यशस्वी पुरस्कार श्रम के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए बलौदाबाजार जिले के अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, यूनिट कुकुरडीह, सीमेंट वर्क्स, सरकीपार को प्रदान किया गया।पंडित लखनलाल मिश्र सम्मान अपराध अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए रायपुर जिले के श्री सुरेश कुमार ध्रुव, उप पुलिस अधीक्षक को प्रदान किया गया।छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान देश के बाहर अप्रवासी भारतीयों द्वारा सामाजिक कल्याण, साहित्य, मानव संसाधन, निकाय अथवा आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दंतेवाड़ा जिले की श्रीमती दीपाली सरावगी को प्रदान किया गया।किशोर साहू सम्मान हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी सिनेमा में रचनात्मक लेखन, निर्देशन, अभिनय, पटकथा एवं निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले के श्री सैयद ताहिर अली (करन खान) को प्रदान किया गया।लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान छत्तीसगढ़ी लोकगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दुर्ग जिले की श्रीमती साधना यादव को प्रदान किया गया।देवदास बंजारे स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार पंथी नृत्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए आरंग, रायपुर जिले के श्री सी.एल. रात्रे को प्रदान किया गया।खुमान साव सम्मान छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रायपुर जिले के श्री चंद्रभूषण वर्मा को प्रदान किया गया।लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार आंचलिक साहित्य एवं लोक कविता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दुर्ग जिले के श्री दुर्गा प्रसाद पारकार को प्रदान किया गया।किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी सिनेमा में निर्देशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर जिले के श्री मोहन सुंदरानी को प्रदान किया गया।बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान विधि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मयूर विहार, दिल्ली के श्री कौस्तुभ शुक्ला एवं रायपुर जिले के श्री हेमन्त कुमार मिश्र को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

माता बहादुर कलारिन सम्मान महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष एवं नारी जिले की श्रीमती बुलबुल बैदया को प्रदान किया गया।

14 भारतीय सवार थे, 13 को बचाया गया; पिछले महीने 30 जहाजों पर हमले हुए

होर्मुज में भारतीय जहाज पर हमला, एक की मौत

एजेंसी ➤ ओमान

होर्मुज स्ट्रेट में 2 नवंबर को एक भारतीय जहाज पर हमला हुआ। इसमें गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई। जहाज पर सवार बाकी 13 भारतीयों को ओमान के कोस्ट गार्ड ने सुरक्षित बचा लिया। मृतक की पहचान गांधार नाहीम अजीज के रूप में हुई है।

जहाज का नाम रूब्बी अल जुसुफी है। हमला कैसे हुआ और किसने किया इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हमले के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना बंद होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही और कारोबार बिना किसी रुकावट के जारी रहना चाहिए।ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूकेएमटीओ के मुताबिक, इस साल अक्टूबर में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास जहाजों पर 30 से ज्यादा हमले हुए। ईरान-अमेरिका जंग शुरू होने के बाद एक महीने में हमलों की यह सबसे बड़ी संख्या थी।



पहले भी भारतीय नाविकों वाले जहाज पर हमला हुआ था

होर्मुज स्ट्रेट में इससे पहले 29 अक्टूबर को भारतीय नाविकों वाले जहाज को निशाना बनाया गया था। 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर स्कार्लेट लुईस 1 पर हमला हुआ था। पनामा के झंडे वाले इस जहाज के पास एक छोटी नाव आई थी। उसमें सवार लोगों ने जहाज के बाहरी हिस्से पर दो विस्फोटक चिपका दिए थे और वहां से चले गए।कुछ देर बाद दोनों विस्फोटकों में धमाका हुआ। इससे जहाज के इंजन रूम में आग लग गई और इंजन कुछ समय के लिए बंद हो गया।

न्यूज इन शॉर्ट

दीपावली से पहले खाद्य एवं औषधि प्रशासन की सख्ती, मिठाई दुकानों और होटलों का सघन निरीक्षण

एमसीबी। दीपावली पर्व के मद्देनजर आम नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। नियंत्रक दीपक अग्रवाल के निर्देश तथा कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में विभागीय टीम द्वारा मिठाई दुकानों, होटलों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में 02 नवंबर को मनेन्द्रगढ़ शहर की विभिन्न मिठाई दुकानों एवं निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं निर्माण प्रक्रिया की जांच की गई। इस दौरान मिठाई विक्रेताओं को बाहर से खोवा खरीदते समय पक्का बिल लेने तथा घटिया गुणवत्ता वाली मिठाइयों की खरीदी से बचने के निर्देश दिए गए।निरीक्षण के दौरान हजारी होटल से खोवा तथा प्राप्त शिकायत के आधार पर पैराडाइज फूड पॉइंट से मिक्स्ड ग्रेवी मसाला का नमूना संकलित किया गया। दोनों नमूनों को गुणवत्ता एवं शुद्धता की जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान मिलावटी एवं अमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए निरीक्षण अभियान जारी रहेगा। विभाग ने खाद्य कारोबारियों को निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा नागरिकों से खाद्य सामग्री खरीदते समय गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और मिलावट की शिकायत विभाग को करने की अपील की है।

बस्तर में स्थानीय अवकाश में फेरबदल - अब 09 के बजाय 20 नवंबर को तुलसी विवाह पर रहेगा स्थानीय अवकाश

जगदलपुर। बस्तर जिले में स्थानीय अवकाश को लेकर जिला प्रशासन ने एक संशोधित आदेश जारी किया है। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा द्वारा जारी नए आदेश के अनुसार जिले में पूर्व निर्धारित स्थानीय अवकाश की तारीख में बदलाव करते हुए अब 20 नवंबर को अवकाश घोषित किया गया है।

पूर्व में जिला प्रशासन ने 11 फरवरी 2026 के एक आदेश के माध्यम से 9 नवंबर 2026 (सोमवार) को गोवर्धन पूजा के उपलक्ष्य में स्थानीय अवकाश देने का निर्णय लिया था। हालांकि राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के तहत 09 नवंबर को पहले ही पूरे राज्य में गोवर्धन पूजा का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जा चुका है। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए जिला स्तर पर 09 नवंबर को दिए गए स्थानीय अवकाश को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है और अब निरस्त अवकाश के बदले 20 नवंबर 2026 शुक्रवार को तुलसी विवाह के पावन अवसर पर संपूर्ण बस्तर जिले के लिए स्थानीय अवकाश रहेगा। स्थानीय अवकाश के बावजूद इस दिन जिले के सभी कोषालय और उप कोषालय सामान्य दिनों की भांति विधिवत खुले रहेंगे।

जिला पंचायत विभाग द्वारा विकसित ग्राम पंचायत, विकसित भारत मॉडल का आकर्षक प्रदर्शन

महासमुंद । छत्तीसगढ़ की 26वें वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जिले में 2 नवम्बर को राज्योत्सव-2026 का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडिया में किया गया। जिसमें 16 विभागों द्वारा आकर्षक स्टॉल प्रदर्शनी एवं जीवंत मॉडल का प्रदर्शन किया गया। इसी क्रम में जिला पंचायत विभाग द्वारा विकसित भारत - रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) के तहत विकसित ग्राम पंचायत, विकसित भारत मॉडल का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। यह आयोजन जिला पंचायत महासमुन्द के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री अनुपमा आनंद के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

स्टॉल वी.बी.-जी राम जी अवधारणा के तहत गांवों के समग्र विकास के लिए 375 प्रकार के महत्वपूर्ण कार्यों और योजनाओं का विस्तृत विवरण प्रदर्शित किया गया। 3डी मॉडल के माध्यम से आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श गांव की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि एवं पशुपालन, स्वास्थ्य सेवाएं सामुदायिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, विद्यालय व आंगनबाड़ी और कौशल विकास केंद्र शामिल हैं।

भूमि पूजन नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे एवं उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन के कर कमलों से सम्पन्न

भटगांव के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भूमि पूजन के साथ विकास कार्य का शुभारंभ



एक सत बुलेटिन ➤ भटगांव

नगर पंचायत भटगांव के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 02 अतिरिक्त कक्ष एवं अहाता निर्माण कार्य का भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ।



भूमि पूजन नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे एवं उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन के कर कमलों से विधि-विधान के साथ किया गया।

इस अवसर पर पार्षद राम कुमार सिदार, पार्षद महादेवा यादव, पार्षद प्रतिनिधि गणेश यादव, प्रज्ञा इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर व पत्रकार के.पी. पटेल, पत्रकार संदीप पटेल शाला विकास समिति के अध्यक्ष राकेश पटेल प्राचार्य निरुपमा केशरवानी सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष बनने से छात्राओं को बेहतर सुविधा मिलेगी।

त्योहारी सीजन में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच

16 विधिक एवं 15 सर्विलांस नमूने जांच के लिए भेजे गए

त्योहारी सीजन में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच, 16 विधिक एवं 15 सर्विलांस नमूने जांच के लिए भेजे गए

मिलावट की शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 9340597097 पर दें सूचना

एक सत बुलेटिन ➤ खैरागढ़



दशहरा एवं दीपावली पर्व के दौरान आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। इस दौरान किराना दुकानों, होटलों, रेस्टोरेंट, डेयरियों एवं खाद्य विनिर्माण प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए गए।

नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा कलेक्टर के निर्देशानुसार उप संचालक डॉ. अनिल कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में अभिहित अधिकारी श्री सिद्धार्थ पाण्डेय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री दीपक कुमार धृतलहरे एवं विभागीय कर्मचारियों की टीम ने कार्रवाई की। टीम ने खैरागढ़, छुईखदान, गंडई, नर्मदा, ठेलकाडीह एवं जालबांधा के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

अभियान के दौरान मिठाइयों, दुग्ध उत्पादों, खाद्य तेल, मसालों, आटा सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 16 विधिक एवं 15 सर्विलांस नमूने संग्रहित कर जांच के लिए भेजे गए। विभाग के अनुसार पूर्व में संग्रहित नमूनों की जांच में अमानक एवं असुरक्षित पाए गए खाद्य पदार्थों, बिना खाद्य अनुज्ञप्ति अथवा पंजीयन के कारोबार तथा अन्य खाद्य सुरक्षा संबंधी उल्लंघनों के प्रकरण माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे।

पीड़ित महिलाओं को सहायता दिलाने जिला स्तरीय महिला उत्पीड़न निवारण समिति का गठन

एक सत बुलेटिन ➤ महासमुंद

राज्य शासन के आदेश के परिपालन में जिले में महिला उत्पीड़न की घटनाओं की सतत निगरानी करने, महिला अत्याचार के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा पीड़ित महिलाओं को उचित मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध कराने कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह द्वारा जिला स्तरीय महिला उत्पीड़न निवारण समिति का गठन किया गया है।

गठित समिति में जिला पुलिस अधीक्षक को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं अपर कलेक्टर, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं उप संचालक समाज कल्याण विभाग को सदस्य तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग को सदस्य सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में महिला चिकित्सक डॉ. ज्योति साहू एवं महिला अभिभाषक श्रीमती कमलेश त्रिपाठी को शामिल किया गया है। इसके अलावा महिला कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत प्रतिष्ठित महिला सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. अनिता रावटे एवं श्रीमती प्रेमशीला बघेल को सदस्य नियुक्त किया गया है। (जन कल्याण समाज सेवी संस्था) एवं ईशा टंडन (आसरा फाउंडेशन) तथा को सदस्य बनाया गया है।

मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने जिला स्तरीय राज्योत्सव का दीप प्रज्वलन कर किया शुभारंभ

सांसद श्रीमती चौधरी एवं जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों की उपलब्धियों एवं योजनाओं से संबंधित स्टॉल का किया अवलोकन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के 26 वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के मिनी स्टेडियम में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी के कर कमलों से हुआ। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधायक महासमुंद श्री योगेश्वर राजू सिन्हा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोंगरा पटेल, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर, शाकंभरी बोर्ड के अध्यक्ष श्री राजेंद्र नायक, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति के अध्यक्ष श्री रामलाल चौहान, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा, भारत स्काउट गाइड संघ के अध्यक्ष श्री येतराम साहू, जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती हुलसी चंद्राकर,सदस्य श्रीमती विजय लक्ष्मी जांगड़े, नगरपालिका सरायपाली अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती चंद्र कुमार पटेल, नगरपालिका महासमुंद उपाध्यक्ष श्री देवीचंद राठी, श्री आनंद साहू, श्री महेंद्र सिक्का, श्री प्रशांत श्रीवास्तव, श्री महेंद्र जैन, सुधा साहू, गणमान्य अतिथि, कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह, जिला पंचायत सीईओ सुश्री अनुपमा आनंद, अपर कलेक्टर श्री जगन्नाथ वर्मा, श्री सचिन भूतड़ा, श्री रवि कुमार साहू सहित जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने जिलेवासियों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की जनहितकारी पहल से प्रदेश के सभी वर्गों में सकारात्मक वातावरण बना है। उन्होंने कहा कि हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे की भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ को विकास और समृद्धि के नए आयामों तक ले जाने का प्रयास किया जा रहा है।सांसद श्रीमती चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान अविस्मरणीय है। उनके दूरदर्शी निर्णय से छत्तीसगढ़ को पृथक राज्य के रूप में पहचान मिली। उन्होंने श्री वाजपेयी को नमन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। सरकार किसानों, महिलाओं, युवाओं और जरूरतमंद परिवारों के हित में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने बताया कि आगामी 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होगी। साथ ही सड़क, आवास, स्कूल, पंचायत और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

खेड़िया चौक की हाई मास्ट लाइट महीनों से बंद, अंधेरे में आवागमन करने को मजबूर शहरवासी

अब देखना होगा कि जनहित से जुड़ी इस समस्या पर जिम्मेदार अधिकारी कब तक संज्ञान लेते हैं

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

मनेन्द्रगढ़। शहर के खेड़िया चौक स्थित हाई मास्ट लाइट पिछले कई महीनों से बंद पड़ी हुई है। जिम्मेदार विभाग की उदासीनता के चलते चौक पर रात होते ही अंधेरा छा जाता है। इससे राहगीरों, वाहन चालकों एवं स्थानीय नागरिकों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर के प्रमुख चौक में शामिल खेड़िया चौक पर रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। खासकर रात्रि के समय दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चालकों को परेशानी होती है। वहीं आगामी त्योहारों को देखते हुए शहर की प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त करना बेहद आवश्यक हो गया है।

कई महीनों से बंद लाइट, जिम्मेदारों की नजर कब पड़ेगी?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि शहर के प्रमुख चौक की हाई मास्ट लाइट महीनों से बंद होने के बावजूद अब तक इसे चालू कराने की पहल क्यों नहीं की गई? क्या जिम्मेदार अधिकारियों को किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार है?

स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि खेड़िया चौक की बंद पड़ी हाई मास्ट लाइट को तत्काल दुरुस्त कराकर चालू कराया जाए, ताकि त्योहारों के दौरान शहरवासियों को बेहतर प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।



अब देखना होगा कि जनहित से जुड़ी इस समस्या पर जिम्मेदार अधिकारी कब तक संज्ञान लेते हैं या फिर शहरवासियों को अंधेरे में ही गुजर-बसर करना पड़ेगा।

पांच साल से एक ही जगह जमे टीए, जिला पंचायत में तबादला नीति पर सवाल!

पंचायतों की फाइलें रोकने और निर्माण सामग्री सप्लाई में कथित भूमिका को लेकर उठे गंभीर सवाल, जांच की मांग

एमसीबी। जिला पंचायत में पदस्थ कुछ तकनीकी सहायकों (टीए) की कार्यप्रणाली अब सवालों के घेरे में आती नजर आ रही है। आरोप है कि महिला एवं पुरुष तकनीकी सहायक पिछले पांच वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ हैं, लेकिन अब तक उनका स्थानांतरण नहीं किया गया। लंबे समय से एक ही जगह जमे रहने के कारण पंचायतों के कामकाज में उनकी पकड़ और कथित प्रभाव को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों और पंचायत स्तर से सामने आ रही शिकायतों के अनुसार, पंचायतों में निर्माण कार्यों से संबंधित फाइलों को कथित तौर पर रोककर रखना, तकनीकी स्वीकृति एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया में देरी करना और निर्माण कार्यों में सामग्री सप्लाई को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप यह भी हैं कि कुछ तकनीकी सहायकों की भूमिका निर्माण सामग्री की आपूर्ति से जुड़े मामलों में प्रभावशाली बनी हुई है। यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता और पंचायतों के अधिकारों पर गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या पांच साल से एक ही जगह पदस्थ रहना संयोग या व्यवस्था पर पकड़? पंचायतों में विकास कार्यों की तकनीकी निगरानी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी तकनीकी सहायकों की होती है। ऐसे में यदि वही कर्मचारी वर्षों तक एक ही क्षेत्र में पदस्थ रहते हैं और उनके विरुद्ध लगातार शिकायतें सामने आती हैं, तो जिला पंचायत प्रशासन की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जिला पंचायत में लंबे समय से पदस्थ तकनीकी सहायकों के कार्यक्षेत्र की समीक्षा हुई है? क्या उनकी कार्यप्रणाली, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, सामग्री सप्लाई और लंबित फाइलों की कभी निष्पक्ष जांच कराई गई है?

चुनावी वादों पर फिर उठे सवाल, मनेंद्रगढ़ से जनकपुर तक रेल सर्वे के बयान पर पूर्व विधायक ने साधा निशाना

भरतपुर-सोनहत में रेल लाइन को लेकर सियासी घमासान, रेणुका सिंह और गुलाब कमरो आमने-सामने

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी।

छत्तीसगढ़ के भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र में रेल लाइन का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादों और अब नेताओं की ओर से दिए जा रहे बयानों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। मनेंद्रगढ़ से जनकपुर तक रेल सुविधा की मांग को लेकर क्षेत्र की जनता की उम्मीदें एक बार फिर चर्चा में हैं।

राज्योत्सव के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री एवं वर्तमान विधायक रेणुका सिंह ने कहा कि नागपुर से जनकपुर तक रेल यात्रा की दिशा में मनेंद्रगढ़ से सीधी तक सर्वे का कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेल परियोजनाएं सड़क निर्माण की तरह तत्काल पूरी नहीं होतीं, बल्कि इनके लिए तकनीकी सर्वे और विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। उन्होंने परियोजना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी जाहिर की।

****गुलाब कमरो ने चुनावी वादों पर उठाए सवाल****



वहीं, पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने विधायक रेणुका सिंह के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि विधानसभा चुनाव के दौरान जनकपुर को जिला बनाने और क्षेत्र में ट्रेन चलाने जैसे बड़े-बड़े वादे जनता से किए गए थे। लेकिन चुनाव बीतने के बाद अब सर्वे और तकनीकी प्रक्रियाओं में समय लगने की बात कही जा रही है। ऐसे में जनता को यह जानने का अधिकार है कि आखिर रेल परियोजना धरातल पर कब उतरेगी।



कमरो ने तंज कसते हुए कहा कि बड़े संवैधानिक और राजनीतिक पदों पर रहे नेताओं को जनता के सामने ऐसे दावे करने से बचना चाहिए, जिनकी समयसीमा और वास्तविक प्रगति स्पष्ट न हो। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार की बड़ी योजनाओं का हवाला देने के बजाय क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं और स्थानीय विकास के मुद्दों पर भी गंभीरता से काम किया जाना चाहिए।

जनता को आश्वासन नहीं, रेल लाइन की प्रगति चाहिए

भरतपुर-सोनहत क्षेत्र में रेल सुविधा लंबे समय से जनभावनाओं से जुड़ा मुद्दा रही है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और आवागमन की परेशानियों के बीच रेल कनेक्टिविटी को क्षेत्र के विकास, व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

अब सवाल यह है कि मनेंद्रगढ़ से जनकपुर तक रेल सर्वे की घोषणा कब धरातल पर उतरेगी और परियोजना को लेकर अगला ठोस कदम कब उठाया जाएगा? राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच क्षेत्र की जनता को आश्वासनों से आगे बढ़कर स्पष्ट कार्ययोजना और समयबद्ध प्रगति का इंतजार है।

‘सशक्त नारी-युवा उड़ान’ के संकल्प के साथ मनेन्द्रगढ़ में भव्य राज्योत्सव का आयोजन

विधायक रेणुका सिंह ने किया शुभारंभ, 22 से अधिक विभागीय स्टॉलों में दिखी विकास की झलक

लोकनृत्य, गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनेन्द्रगढ़ के स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान में जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। ‘सशक्त नारी-युवा उड़ान’ की थीम पर आयोजित समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि भरतपुर-सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, स्कूली विद्यार्थियों, कलाकारों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की।

26 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ : रेणुका सिंह

मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में



गठित छत्तीसगढ़ ने बीते 26 वर्षों में विकास की नई पहचान बनाई है। राज्य का बजट लगभग 5 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2026-27 में 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना, कृषक उन्नति योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जनमन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प साकार करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। इस दौरान उन्होंने चिरमिरी-नागपुर रेललाइन, और जिले में सड़क एवं आवास निर्माण की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।



विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण, हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए 22 से अधिक स्टॉलों में शासन की योजनाओं, उपलब्धियों एवं नवाचारों का प्रदर्शन किया गया। विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के साथ स्टॉलों का निरीक्षण कर जानकारी ली। इस अवसर पर पात्र हितग्राहियों को श्रमिक पंजीयन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, मोटराइज्ड साइकिल, व्हीलचेयर, वनाधिकार पट्टा, स्वच्छता किट, आइस बॉक्स एवं मछली पकड़ने के जाल सहित विभिन्न सामग्रियों का वितरण किया गया।

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने स्वागत उद्बोधन में जिले की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्ष 2022 में एमसीबी जिले के गठन के बाद शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सड़क, पर्यटन एवं आजीविका के क्षेत्र में निरंतर प्रगति हुई है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार से जोड़ने को प्राथमिकता बताते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सभी की सहभागिता का आह्वान किया।



लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

राज्योत्सव की सांस्कृतिक संध्या में स्कूली विद्यार्थियों ने सुआ, करमा सहित पारंपरिक लोक नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। मुंबई से आईं गुरशीत कौर की गजल, रायपुर के राहुल ठाकुर के फिल्मी गीत तथा दामिनी पुरी के सितार वादन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। छत्तीसगढ़ी गायक एवं जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा की प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रही। नेत्रहीन विद्यालय के बच्चों के सामूहिक गीत को दर्शकों ने खूब सराहा।

हस्तशिल्प प्रशिक्षण से खुलेगा स्वरोजगार का रास्ता,

दोना-पत्तल निर्माण का हुनर सीखकर आत्मनिर्भर बनेंगी महिलाएं और किशोरियां, डोमनहिल में आयोजित हुई स्वावलंबन कार्यशाला

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत महिलाओं को मिला हुनर का संबल

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ने के उद्देश्य से मंगलवार को डोमनहील, चिरमिरी में हस्तशिल्प एवं स्वावलंबन कार्यशाला तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब), महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में महिलाओं और किशोरी बालिकाओं को दोना-पत्तल बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं को हस्तशिल्प के माध्यम से स्वरोजगार अपनाने और स्वयं का छोटा व्यवसाय अथवा लघु उद्योग शुरू करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वतंत्र बनाते हुए समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। प्रशिक्षिका श्रीमती शिवानी ने प्रतिभागियों को दोना-पत्तल निर्माण की विधि समझाई तथा इस कौशल को आजीविका के साधन के रूप में विकसित करने की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण, आर्थिक आत्मनिर्भरता और उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा



की गई। महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं को बताया गया कि वे उपलब्ध संसाधनों और अपने कौशल के आधार पर छोटे व्यवसाय की शुरुआत कर सकती हैं। साथ ही परिवार एवं समाज के निर्णयों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, उनके अधिकारों, आत्मसम्मान और आत्मविश्वास के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कौशल विकास एवं प्रशिक्षण के माध्यम से इनमें उद्यमिता की समझ विकसित करने पर भी जोर दिया गया।

बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर

कार्यक्रम में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में परिवार, विद्यालय एवं समाज की महत्वपूर्ण भूमिका के संबंध में जागरूक किया गया। बालिकाओं को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने, उनके अधिकारों का सम्मान करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करने का संदेश दिया गया।

महिला एवं बाल विकास की योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में भी जानकारी दी गई। सखी वन स्टॉप सेंटर एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के बारे में बताते हुए पात्र महिलाओं, विशेषकर गर्भवती महिलाओं को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही महिलाओं एवं बच्चों की सहायता, सुरक्षा और शिकायतों के निराकरण के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 181, 1098, 1930 एवं 1515 की जानकारी देकर इनके उपयोग के प्रति जागरूक किया गया।

दीपावली से पहले खाद्य एवं औषधि प्रशासन की सख्ती

मिठाई दुकानों और होटलों का सघन निरीक्षण

हजारी होटल से खोवा और पैराडाइज फूड पॉइंट से मिक्स्ड ग्रेवी मसाला के नमूने लिए, जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

दीपावली पर्व के मद्देनजर आम नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। नियंत्रक दीपक अग्रवाल के निर्देश तथा कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में विभागीय टीम द्वारा मिठाई दुकानों,



होटलों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में 02 नवंबर को मनेन्द्रगढ़ शहर की विभिन्न मिठाई दुकानों एवं निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं निर्माण प्रक्रिया की जांच की गई। इस दौरान मिठाई विक्रेताओं को बाहर से खोवा खरीदते समय पक्का बिल लेने तथा घटिया गुणवत्ता वाली मिठाइयों की खरीदी से बचने के निर्देश दिए गए।निरीक्षण के दौरान हजारी होटल से खोवा तथा प्राप्त शिकायत के आधार पर पैराडाइज फूड पॉइंट से मिक्स्ड ग्रेवी मसाला का नमूना संकलित किया गया। दोनों नमूनों को गुणवत्ता एवं शुद्धता की जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला

धान खरीदी से पहले पटवारियों की हड़ताल से बढ़ी किसानों की मुश्किलें

भाजपा सरकार पर बरसे पूर्व विधायक गुलाब कमरो

राज्योत्सव में खुशहाली का जश्न, दूसरी ओर किसान धान पंजीयन और गिरदावरी के लिए परेशान - सरकार की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

महेंद्र शुक्ला मनेंद्रगढ़ ➤ एमसीबी

प्रदेश में धान खरीदी शुरू होने से पहले पटवारियों की हड़ताल ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। धान पंजीयन और गिरदावरी जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित होने की आशंका के बीच पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एक ओर भाजपा सरकार राज्योत्सव मनाकर विकास और खुशहाली का जश्न मना रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश के किसान अपने जरूरी राजस्व कार्यों के लिए परेशान हो रहे हैं।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि धान खरीदी का समय नजदीक है, लेकिन पटवारियों की हड़ताल



के कारण किसानों के सामने नई मुश्किलें खड़ी हो रही हैं। सरकार द्वारा करीब 5 हजार पटवारियों को नोटिस जारी करने और 50 से अधिक पटवारियों को निलंबित किए जाने की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि दमनात्मक कार्रवाई किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती।उन्होंने सरकार से मांग की कि पटवारियों के साथ टकराव का रास्ता छोड़कर संवाद स्थापित किया जाए और उनकी जायज मांगों का तत्काल निराकरण किया जाए। इससे धान खरीदी से पहले जरूरी प्रशासनिक प्रक्रियाएं सुचारू हो सकेंगी और किसानों को अनावश्यक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कमरो ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों की सुविधा और समस्याओं का समाधान होना चाहिए, न कि केवल उत्सव और जश्न तक सीमित रहना।

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, ÷किसान परेशान, पटवारी परेशान, आखिर भाजपा सरकार किसकी खुशहाली का जश्न मना रही है?

धान खरीदी के ठीक पहले उपजे इस गतिरोध ने प्रदेश की कृषि व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि सरकार पटवारियों की मांगों पर बातचीत कर हड़ताल समाप्त कराने और किसानों को राहत देने के लिए क्या कदम उठाती है।

जिला पंचायत विभाग द्वारा विकसित ग्राम पंचायत, विकसित भारत मॉडल का आकर्षक प्रदर्शन

संवाददाता ➤ महासमुंद

छत्तीसगढ़ की 26वें वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जिले में 2 नवम्बर को राज्योत्सव-2026 का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडिया में किया गया। जिसमें 16 विभागों द्वारा आकर्षक स्टॉल प्रदर्शनी एवं जीवंत मॉडल का प्रदर्शन किया गया। इसी क्रम में जिला पंचायत विभाग द्वारा विकसित भारत - रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) के तहत विकसित ग्राम पंचायत, विकसित भारत मॉडल का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। यह आयोजन जिला पंचायत महासमुन्द के मुख्य



कार्यकारी अधिकारी सुश्री अनुपमा आनंद के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। स्टॉल वी.बी.-जी राम जी अवधारणा के तहत गांवों के समग्र विकास के लिए 375 प्रकार के महत्वपूर्ण कार्यों और योजनाओं का विस्तृत विवरण प्रदर्शित किया गया। 3डी मॉडल के माध्यम से आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श गांव की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि एवं पशुपालन, स्वास्थ्य सेवाएं सामुदायिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, विद्यालय व आंगनबाड़ी और कौशल विकास केंद्र शामिल हैं। स्वयं सहायता समूह गतिविधियां, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्वच्छता के उपाय दर्शाए गए। साथ ही वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण संरचनाएं, सौर ऊर्जा (नवीकरणीय ऊर्जा) और वृक्षारोपण के माध्यम से हरित ग्राम की परिकल्पना को प्रदर्शित किया गया।

विधायक रेणुका सिंह ने किया अवलोकन

राज्योत्सव में जल शुद्धिकरण संयंत्र की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

आधुनिक तकनीकों से पानी को शुद्ध करने की प्रक्रिया से रूबरू हुए नागरिक

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

मनेन्द्रगढ़ के स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा लगाई गई जल शुद्धिकरण संयंत्र की प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में आधुनिक तकनीकों से पानी को शुद्ध करने की प्रक्रिया को मॉडल के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। साथ ही नागरिकों को स्वच्छ पेयजल के महत्व, जल संरक्षण



और जल जीवन मिशन के तहत संचालित कार्यों की जानकारी दी गई।

प्रदर्शनी में जल शुद्धिकरण के विभिन्न चरणों और फिल्ट्रेशन तकनीक को सरल तरीके से समझाया गया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों तक नल के माध्यम से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के लिए कार्य किए जा रहे हैं। नागरिकों को पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने, जल जनित बीमारियों से बचाव और पानी के सदुपयोग के प्रति भी जागरूक किया गया।भरतपुर-सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर जल शुद्धिकरण संयंत्र की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। इस दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार ने उन्हें संयंत्र की तकनीक, जल जीवन मिशन की प्रगति एवं विभागीय गतिविधियों से अवगत कराया। विधायक ने ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। राज्योत्सव में लगी इस प्रदर्शनी ने लोगों को जल शुद्धिकरण की तकनीक से परिचित कराने के साथ स्वच्छ पेयजल और जल संरक्षण का

अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, जंगल से 195 लीटर महुआ शराब बरामद

एक सत बुलेटिन ➤ रायगढ़

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। विभाग की टीम ने तमनार और चक्रधर नगर क्षेत्र में अलग-अलग छापामार कार्रवाई करते हुए कुल 204 लीटर महुआ शराब और 440 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान तमनार क्षेत्र से एक महिला को गिरफ्तार किया गया है, जबकि रेगड़ा के जंगल में लावारिस हालत में मिली शराब और महुआ लाहन के मामले में संबंधित आरोपियों की तलाश जारी है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश और प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशन में जिले में अवैध मदिरा के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत आबकारी विभाग की टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की।

तमनार में महिला के कब्जे से 9 लीटर महुआ शराब जब्त

आबकारी विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 नवंबर को आबकारी उप निरीक्षक प्रदीप वर्मा के नेतृत्व में विभागीय टीम ने थाना तमनार अंतर्गत ग्राम तमनार में कार्रवाई की। इस दौरान बनमती बाई उरांव के कब्जे से 9 लीटर महुआ शराब बरामद की गई। विभाग ने महिला के खिलाफ आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार मामले में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई है। आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण और बिक्री में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

न्यूज इन शॉर्ट

महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को सहायता दिलाने जिला स्तरीय महिला उत्पीड़न निवारण समिति का गठन

महासमुंद। राज्य शासन के आदेश के परिपालन में जिले में महिला उत्पीड़न की घटनाओं की सतत निगरानी करने, महिला अत्याचार के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा पीड़ित महिलाओं को उचित मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध कराने कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह द्वारा जिला स्तरीय महिला उत्पीड़न निवारण समिति का गठन किया गया है। गठित समिति में जिला पुलिस अधीक्षक को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं अपर कलेक्टर, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं उप संचालक समाज कल्याण विभाग को सदस्य तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग को सदस्य सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में महिला चिकित्सक डॉ. ज्योति साहू एवं महिला अभिभाषक श्रीमती कमलेश त्रिपाठी को शामिल किया गया है। इसके अलावा महिला कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत प्रतिष्ठित महिला सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. अनिता रावटे एवं श्रीमती प्रेमशीला बघेल को सदस्य नियुक्त किया गया है। साथ ही स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि श्रीमती हेमलता राजपूत (जन कल्याण समाज सेवी संस्था) एवं ईशा टंडन (आसरा फाउंडेशन) तथा को सदस्य बनाया गया है।
समिति जिले में महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों की निगरानी, पीड़ित महिलाओं को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध कराने तथा महिला अत्याचार के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए समन्वय के साथ कार्य करेगी। समिति के कार्य, दायित्व एवं कार्यावधि शासन द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी निर्देशों के अनुरूप होंगे।

युवा रत्न सम्मान योजना के लिए अब 15 नवम्बर तक कर सकेंगे आवेदन

महासमुंद। राज्य शासन द्वारा संचालित युवा रत्न सम्मान योजना के अंतर्गत पात्र युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों को आवेदन प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करने आवेदन की अंतिम तिथि में वृद्धि की गई है। पूर्व में आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2026 निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर अब 15 नवम्बर 2026 कर दिया गया है। इच्छुक एवं पात्र युवा तथा स्वैच्छिक संगठन निर्धारित तिथि 15 नवम्बर 2026 तक अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

मेरिट एवं वेलफेयर आधारित छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ एक साथ ले सकेंगे विद्यार्थी

महासमुंद। भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं को मुख्य रूप से दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। इनमें मेरिट आधारित छात्रवृत्ति एवं वेलफेयर आधारित छात्रवृत्ति शामिल हैं।
सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि इस वर्गीकरण के अंतर्गत पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति योजनाओं को वेलफेयर आधारित योजना में शामिल किया गया है।

दीपावली! सिर्फ ?2 में गोबर के दीये, स्थानीय कलाकारों से खरीदने की अपील; दिए गए नंबरों पर करें कॉल

रायपुर। दीपावली पर्व को लेकर राजधानी रायपुर में महिला स्वसहायता समूहों ने एक सराहनीय पहल की है। रायपुर नगर निगम के जोन क्रमांक 5 अंतर्गत सुंदर नगर स्थित डंगनिया गौठान में जय लक्ष्मी महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं ने बड़ी संख्या में गोबर से आकर्षक दीये तैयार किए हैं। इन दीयों को नागरिकों के लिए मात्र 2 रुपये प्रति नग की निर्धारित दर पर बिक्री के लिए उपलब्ध कराया गया है। लोग अपने घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों को दीपावली पर रोशन करने के लिए डंगनिया गौठान पहुंचकर ये दीये खरीद सकते हैं। महिलाओं की यह पहल स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के साथ पारंपरिक और प्राकृतिक सामग्री से बने उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने का प्रयास है। दीपावली के अवसर पर कम कीमत मेंनागरिकों को भी इस पहल से जुड़ने का अवसर दिया है।

19 अस्पतालों की जांच में 16 में अलग-अलग तरह की गड़बड़ियां मिली हैं

आयुष्मान में गड़बड़ी पर 16 अस्पतालों का रजिस्ट्रेशन रद्द एजेंट्स के जरिए बुलाते थे मरीज; रायपुर के सबसे ज्यादा 8 हॉस्पिटल पर एक्शन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों के इलाज के नाम पर गड़बड़ी करने वाले प्रदेश के 16 निजी अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की है। विभाग ने इन अस्पतालों का आयुष्मान योजना के तहत रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। 19 अस्पतालों की जांच में 16 में अलग-अलग तरह की गड़बड़ियां मिली हैं।
इनमें मरीजों से इलाज के नाम पर ज्यादा पैसे लेना, बिना जरूरत भर्ती करना, इलाज के पैकेज में गलत कोड डालकर ज्यादा राशि लेना और फर्जी दस्तावेज तैयार करना शामिल है। सबसे ज्यादा 8 अस्पताल रायपुर के हैं।

11 अस्पतालों में मरीजों से ज्यादा पैसे लेने के मामले

जांच रिपोर्ट के मुताबिक, 16 अस्पतालों में सबसे ज्यादा 11 में मरीजों से अतिरिक्त पैसे वसूलने की शिकायत सही पाई गई। 7 अस्पतालों में बिना जरूरत मरीजों को भर्ती किया गया था। 5 अस्पतालों में इलाज के पैकेज की गलत कोडिंग मिली।
इसके अलावा 6 अस्पतालों में एजेंटों के जरिए मरीज लाने और 2 अस्पतालों में फर्जी दस्तावेज तैयार करने के मामले सामने आए हैं।

इन 16 अस्पतालों का रजिस्ट्रेशन रद्द



स्वास्थ्य विभाग की जांच में जिन अस्पतालों में गड़बड़ी मिली, उनमें रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर समेत दूसरे जिलों के अस्पताल शामिल हैं।

श्री अनंत साई अस्पताल में एजेंटों के जरिए मरीज लाने।एसके केयर अस्पताल में मरीजों से ज्यादा पैसे लेने और एजेंटों के जरिए मरीज लाने।
वरदान अस्पताल में पैकेज की गलत कोडिंग और जरूरी दस्तावेजों की कमी के साथ एजेंटों से मरीज लाने।सुयश इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में अतिरिक्त वसूली, हेरिटेज अस्पताल में अतिरिक्त वसूली, गलत पैकेज कोडिंग और एजेंटों से मरीज लाने।
श्री रावतपुरा सरकार अस्पताल में अतिरिक्त वसूली, गलत पैकेज कोडिंग और एजेंटों से मरीज लाने की गड़बड़ी मिली।
दुर्ग- पल्स अस्पताल में पैकेज की गलत कोडिंग और मरीजों से अतिरिक्त पैसे लेने का मामला मिला। श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में बिना जरूरत भर्ती और अतिरिक्त वसूली की गई।
कोंडागांव- नेताम अस्पताल एवं इन्फर्टिलिटी सेंटर में मरीजों से अतिरिक्त पैसे लेने की गड़बड़ी मिली।
कोरबा- हरि कृष्णा केयर अस्पताल में अतिरिक्त वसूली और बिना जरूरत मरीजों को भर्ती करने का मामला सामने आया।
बस्तर- स्वामी चंद्रशेखरानंद अस्पताल में बिना जरूरत भर्ती, गलत पैकेज कोडिंग और मरीजों से वसूली की गई।
कबीरधाम- जय जगन्नाथ हेल्थकेयर में मरीजों से अतिरिक्त पैसे लेने का मामला मिला।
बिलासपुर- अशोक प्रसूति मंदिर में गलत पैकेज कोडिंग, ज्यादा चार्ज लेने और फर्जी दस्तावेज तैयार करने की गड़बड़ी मिली। केयर एन क्योर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में मरीजों से ज्यादा पैसे वसूले गए।

3 अस्पतालों में बड़ी गड़बड़ी नहीं मिली

जांच के दौरान तीन अस्पतालों में कोई बड़ी गड़बड़ी नहीं पाई गई। इनमें बिलासपुर का मेहता चिल्ड्रन नर्सिंग होम, रायपुर का विजन सेंटर आई हॉस्पिटल और सरगुजा का डीएचटी अस्पताल शामिल है।

नर्सिंग होम एक्ट के तहत अलग से होगी जांच

स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त संचालक इंद्रजीत बर्मन के मुताबिक, जांच में गड़बड़ी मिलने वाले अस्पतालों पर आयुष्मान योजना के तहत कार्रवाई की गई है। नर्सिंग होम एक्ट के तहत कार्रवाई के लिए अलग टीम बनाई गई है।फिलहाल 16 अस्पतालों पर हुई कार्रवाई आयुष्मान योजना के रजिस्ट्रेशन तक सीमित है। नर्सिंग होम एक्ट के तहत कार्रवाई अलग प्रक्रिया है।इस कानून के तहत अस्पतालों के रजिस्ट्रेशन, संचालन, जरूरी सुविधाओं, स्टाफ और मरीजों को दी जाने वाली मेडिकल सर्विस के तय मानकों की जांच होती है। गंभीर गड़बड़ी मिलने पर अस्पताल का रजिस्ट्रेशन भी रद्द किया जा सकता है।

हाईकोर्ट ने याचिकाएं खारिज की

स्टेट टैक्स इंस्पेक्टर 2021-22 के चयन रद्द रहेंगे

चयनित कर्मचारियों को राहत नहीं; नए सिरे से होगी परीक्षा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में स्टेट टैक्स इंस्पेक्टर के पद पर पदोन्नति के लिए 2021 और 2022 में हुई विभागीय भर्ती परीक्षा रद्द करने के खिलाफ दायर याचिकाओं को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है।परीक्षा में गंभीर अनियमितताएं मिलने के बाद राज्य सरकार ने इसे निरस्त कर दिया था। हाईकोर्ट के जस्टिस बीडी गुरु ने परीक्षा और इसके आधार पर जारी नियुक्ति आदेशों को रद्द करने के फैसले को सही ठहराया है।साथ ही नए सिरे से भर्ती प्रक्रिया शुरू कर उसे जल्द पूरा करने का आदेश दिया है। दरअसल, वाणिज्यिक कर विभाग में सहायक ग्रेड-3 के पद पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गई थी।इसमें सफल अभ्यर्थियों को स्टेट टैक्स इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्ति दी गई थी। बाद में परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायतें मिलने पर राज्य सरकार ने पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की थी।

भर्ती रद्द करने के आदेश को दी चुनौती

समिति की रिपोर्ट के आधार पर विभाग ने 11 सितंबर 2026 को परीक्षा और इसके आधार पर जारी नियुक्तियां रद्द कर दी थीं। इससे प्रभावित कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर इस फैसले को चुनौती दी थी।
याचिकाकर्ताओं का कहना था कि परीक्षा में चयनित कर्मचारियों के हित प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने भर्ती रद्द करने के फैसले को



अवैधानिक बताते हुए इसे निरस्त करने की मांग की थी।

जांच में मिलीं कई अनियमितताएं

सुनवाई के दौरान शासन की ओर से जांच रिपोर्ट पेश की गई। इसमें परीक्षा में कई गड़बड़ियां सामने आई थीं। हाईकोर्ट ने कहा कि उत्तरपुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए जरूरी प्रक्रिया और मंजूरी से जुड़े रिकॉर्ड नहीं मिले।उत्तरपुस्तिकाओं के पन्नों पर क्रमांक नहीं थे और वे एक-दूसरे से बंधे भी नहीं थे। जांच में खरीदी गई आंसरशीट और इस्तेमाल के बाद बची आंसरशीट की संख्या में भी अंतर मिला। कुछ कैंडिडेट्स के जवाब मॉडल उत्तरों से हूबहू मेल खाते थे।

500 से अधिक कैंडिडेट्स की परीक्षा प्रक्रिया प्रभावित

हाईकोर्ट ने कहा कि परीक्षा में 500 से अधिक कैंडिडेट्स शामिल हुए थे। जांच में कई गड़बड़ियां मिलीं। ऐसे में यह पता लगाना संभव नहीं था कि किन कैंडिडेट्स को इनका फायदा मिला।कोर्ट ने माना कि भर्ती परीक्षा में गंभीर गड़बड़ियां और नियुक्तियां रद्द करने का फैसला सही था।

दिवाली से पहले खाद्य विभाग का बड़ा खुलासा, 20 सैंपल जांच में फेल

निर्धारित गुणवत्ता मानकों के आधार पर परीक्षण किया जाता है।

एक सत बुलेटिन ➤ कोरबा

दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की बिक्री तेजी से बढ़ने लगी है। लोग त्योहार के दौरान मिलावट से बचने के लिए स्थानीय उत्पादों के बजाय नामी कंपनियों के पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर अधिक भरोसा करते हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से सामने आए खाद्य विभाग के जांच परिणामों ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। जिले में पिछले 10 महीनों के दौरान लिए गए 120 खाद्य पदार्थों के नमूनों में से 20 गुणवत्ता जांच में फेल पाए गए हैं। इनमें पतंजलि के शुद्ध देसी घी और हल्दीराम के रसगुल्ले तथा चना जैसे उत्पादों के नमूने भी शामिल बताए गए हैं। हालांकि, संबंधित नमूनों का अमानक मिलना इन ब्रांडों के सभी उत्पादों के खराब होने का प्रमाण नहीं है।जानकारी के मुताबिक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार जांच अभियान चला रहा है। इस अभियान के तहत मिठाई दुकानों, किराना प्रतिष्ठानों, रेस्टोरेंट और डेयरियों से खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं। इन नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाता है, जहां निर्धारित गुणवत्ता मानकों के आधार पर परीक्षण किया जाता है। विभागीय जानकारी के अनुसार, पिछले 10 महीनों में कुल 120 खाद्य नमूनों की जांच की गई। इनमें से 20 नमूने निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। इस प्रकार करीब 16.7 प्रतिशत नमूने अमानक पाए गए हैं। जांच में नामी ब्रांडों से जुड़े उत्पादों के नमूने फेल होने की जानकारी भी सामने आई है। इससे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। त्योहारी सीजन में आमतौर पर घी, दूध, पनीर, मिठाई और अन्य खाद्य सामग्रियों की मांग बढ़ जाती है।कई उपभोक्ता गुणवत्ता की गारंटी समझकर बड़े ब्रांडों के उत्पाद



खरीदना पसंद करते हैं। ऐसे में जांच में संबंधित नमूनों के फेल होने से खाद्य सुरक्षा को लेकर सतर्कता की आवश्यकता बढ़ गई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी विजय भारत ने बताया कि मिलावटी खाद्य पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इससे फूड पॉइजनिंग सहित कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा रहता है। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा कानून के तहत अलग-अलग प्रकार के उल्लंघनों के लिए आर्थिक दंड और गंभीर मामलों में कारावास तक का प्रावधान है। अपराध की प्रकृति और गंभीरता के आधार पर सजा निर्धारित होती है। इधर, दीपावली को देखते हुए जिला प्रशासन ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच और सख्त कर दी है। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने सोमवार को जिले की चार दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों पर कुल 13 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।निरीक्षण के दौरान विभागीय टीम ने विभिन्न खाद्य सामग्रियों के नमूने भी एकत्र किए हैं। इन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद यदि गुणवत्ता संबंधी गड़बड़ी सामने आती है, तो संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। बताया गया है कि खाद्य विभाग की ओर से जिले के कई रेस्टोरेंट और डेयरियों के खिलाफ पहले भी कार्रवाई की जा चुकी है। खाद्य सुरक्षा संबंधी नियमों के उल्लंघन पर इन प्रतिष्ठानों पर लाखों रुपये का जुर्माना लगाए जाने की जानकारी है। विभाग का उद्देश्य
त्योहारी सीजन में मिलावटी और अमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाना तथा आम नागरिकों को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है। ऐसे में उपभोक्ताओं को भी मिठाइयां और पैकेटबंद खाद्य पदार्थ खरीदते समय निर्माण तिथि, एक्सपायरी डेट, पैकेजिंग और गुणवत्ता संबंधी जानकारी की जांच करने की सलाह दी जा रही है। फिलहाल खाद्य विभाग का निरीक्षण अभियान जारी है। आने वाले दिनों में अन्य प्रतिष्ठानों से भी नमूने लिए जा सकते हैं। विभाग की कार्रवाई से स्पष्ट है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के मामले में स्थानीय दुकानों के साथ नामी ब्रांडों के उत्पाद भी जांच के दायरे में हैं।

निरीक्षण करने और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं

महासमुंद में 202 केंद्रों पर होगी धान खरीदी, कलेक्टर ने दिए सख्त

एक सत बुलेटिन ➤ महासमुंद

छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियां तेज हो गई हैं। महासमुंद जिले में 15 नवंबर 2026 से 202 धान उपार्जन केंद्रों पर पंजीकृत किसानों से धान खरीदा जाएगा। खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारू बनाने के लिए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जिला एवं अनुविभाग स्तर के अधिकारियों को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी है। अधिकारियों को खरीदी शुरू होने से पहले सभी केंद्रों का निरीक्षण करने और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन ने बारदाना, भुगतान,



परिवहन और भंडारण सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा है। साथ ही प्रत्येक नोडल अधिकारी को खरीदी अवधि के दौरान अपने आवंटित केंद्रों का सप्ताह में कम से कम एक बार निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं।

202 धान खरीदी केंद्रों की होगी नियमित निगरानी

जिले में सहकारी समितियों के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन किया जाएगा। धान खरीदी प्रक्रिया की निगरानी के लिए जिला एवं अनुविभाग स्तर के अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने निर्देश दिए हैं कि अधिकारी अपने आवंटित केंद्रों में खरीदी शुरू होने से पहले पहुंचकर सभी व्यवस्थाओं की जांच करें। निर्धारित चेकलिस्ट के आधार पर केंद्रों की तैयारियों का आकलन किया जाएगा। इस दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि धान बेचने आने वाले किसानों को केंद्रों पर अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी

राज्य शासन की व्यवस्था के अनुसार, खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ होगी। महासमुंद जिले में इसके लिए 202 उपार्जन केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इन केंद्रों पर पंजीकृत किसान समर्थन मूल्य पर अपना धान बेच सकेंगे। जिला प्रशासन ने अधिकारियों को खरीदी शुरू होने से पहले तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं, ताकि निर्धारित तिथि से खरीदी प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से संचालित की जा सके।
कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को धान खरीदी केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इनमें उपार्जित धान के भुगतान के लिए आवश्यक राशि, नए एवं पुराने बारदानों की उपलब्धता और खरीदे गए धान के परिवहन की व्यवस्था शामिल है। धान खरीदी के दौरान किसी भी स्तर पर समस्या सामने आने पर संबंधित अधिकारियों को उसका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना होगा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि केंद्रों पर व्यवस्था बनाए रखना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी।
हर सप्ताह कम से कम एक बार निरीक्षण अनिवार्य
धान खरीदी प्रक्रिया पर प्रभावी निगरानी बनाए रखने के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों को प्रत्येक सप्ताह कम से कम एक बार अपने आवंटित उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं।

फिटनेस टेस्ट में फेल हुए पंत

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जानी है। जिसका पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगा। टेस्ट में ऋषभ पंत का प्रदर्शन शानदार रहा है, लेकिन अब उन्हें लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आ रही है। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले एक बड़ा झटका लगा है। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्वश्च) में हुए पहले फिटनेस टेस्ट में पंत अपनी मैच फिटनेस साबित करने में नाकाम रहे हैं। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मेडिकल टीम उन्हें अपनी फिटनेस साबित करने का एक और मौका देने जा रही है। ऋषभ पंत अक्टूबर की शुरुआत में खेले गए ईरानी कप के दौरान साइड स्ट्रेन की समस्या से जूझ रहे थे।

इसके बाद वह 23 अक्टूबर से बेंगलुरु में रिहैब की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।



हालांकि राहत की बात यह है कि उन्होंने नेट्स में बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग की प्रैक्टिस दोबारा शुरू कर दी है। लेकिन पहले फिटनेस टेस्ट को वह पास करने में सफल नहीं हो सके। अब अगले दो दिनों के भीतर बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनका एक और फिटनेस टेस्ट लेगी। अगर पंत इस टेस्ट को पास कर लेते हैं तभी उन्हें न्यूजीलैंड दौरे के लिए रवाना होने की हरी झंडी मिलेगी। लेकिन यहां फेल होने पर वह टीम से बाहर हो जाएंगे।

मैदान पर कब होगी वापसी?

चयनकर्ताओं ने ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज और इंडिया-ए की टीम में इसी शर्त पर जगह दी थी कि वह अपनी फिटनेस टेस्ट क्लियर करेंगे। फिटनेस में देरी के चलते वह शुरुआती दो चार दिवसीय मैचों से बाहर हो गए थे, जहां ध्रुव जुरेल ने कप्तानी के साथ विकेटकीपिंग की कमान संभाली।

इंडिया ए ने पहली पारी में 346 रन बनाए

जुरेल का शतक, आकाश दीप ने फिफ्टी लगाई; न्यूजीलैंड ए 218/3

एजेंसी ➤ क्राइस्टचर्च

इंडिया ए ने क्राइस्टचर्च में चल रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहली पारी में 346 रन बनाए। रविवार को दूसरे दिन स्टंप्स तक न्यूजीलैंड ने 3 विकेट पर 218 रन बना लिए हैं।कप्तान ध्रुव जुरेल ने 171 गेंद पर 105 रन की पारी खेली। जुरेल ने 4 घंटे 7 मिनट बल्लेबाजी की। ध्रुव की पारी में 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे।इंडिया ए ने 291/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। उसने 55 रन बनाने में आखिरी 3 विकेट गंवा दिए।

जुरेल और आकाश दीप ने इंडिया को 300 पार पहुंचा

एक समय इंडिया ए ने 137 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में ध्रुव जुरेल ने 2 अहम साझेदारियां करके टीम को 300 पार पहुंचाया।जुरेल ने फर्स्ट क्लास करियर का 8वां शतक लगाया। जबकि, आकाश दीप ने 9वें नंबर पर 68 रन बनाकर अपना सबसे बड़ा फर्स्ट क्लास स्कोर बनाया।

जुरेल ने 7वें विकेट के लिए मानव सुथार के साथ 97 गेंदों पर 62 रन जोड़े। फिर आकाश दीप के साथ 8वें विकेट के लिए बड़ी साझेदारी की। दोनों ने 142 गेंदों पर 75 रन जोड़े।

पहले दिन पडिक्कल ने फिफ्टी लगाई

मैच के पहले दिन ध्रुव जुरेल 99 रन पर नाबाद लौटे थे। जबकि, देवदत्त पडिक्कल ने 80 रन की अर्धशतकीय पारी खेली।

यशस्वी जायसवाल इस पारी में भी अपना खाता नहीं खोल सके। वे पहले ओवर में फैजर शीट की चौथी गेंद पर आउट हो गए।

स्कूटर लेकर मैदान में घुसा शख्स, रोकना पड़ा मैच

शनिवार को मैच के दौरान मैदान पर एक शख्स स्कूटर लेकर पहुंच गया। इसके चलते कुछ देर के लिए मैच रोकना पड़ा। घटना देखकर मैदान पर मौजूद खिलाड़ी और कमेंटेटर भी अपनी हंसी नहीं रोक सके।यह घटना पहले दिन के आखिरी सेशन में न्यूजीलैंड़ की पारी के 83वें ओवर से पहले हुई। तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल गेंदबाजी के लिए रनअप ले रहे थे, तभी भारतीय बल्लेबाज आकाश दीप ने उन्हें रुकने के लिए कहा।

वार्मअप कर कोर्ट पर उतरने की तैयारी की.



बेलारूस की अलियोना फालेई ने चेन्नई ओपन डब्ल्यू 250 महिला टेनिस टूर्नामेंट में अभ्यास किया. बारिश के कारण मैच से पहले खिलाड़ियों को इंतजार करना पड़ा. राउंड ऑफ 32 के मुकाबले से पहले उन्होंने वार्मअप कर कोर्ट पर उतरने की तैयारी की.

राशिद-बर्ल की भिड़ंत, फिर फ्लाइंग किस



शारजाह।

अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच टी20 सीरीज का तीसरा एवं आखिरी मुकाबला शारजाह के शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में अफगानिस्तान ने 7 विकेट से जीत दर्ज की और टी20 सीरीज में जिम्बाब्वे का 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया। इस मुकाबले में मैदान पर माहौल एक वक्त काफी गरमा गया। अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान और जिम्बाब्वे के बल्लेबाज रयान बर्ल के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। दोनों खिलाड़ी पिच पर आमने-सामने आ गए और अंपायरों को बीच-बचाव करना पड़ा। यह घटना जिम्बाब्वे की पारी के 9वें ओवर में हुई। उस ओवर की दूसरी गेंद पर राशिद खान ने रयान बर्ल के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील की, बैटर को नॉट आउट करार दिया।

व्यापार

दुनिया तांबे के पीछे, ज्यादा पैसे देने को तैयार!

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत में कॉपर की कीमत अगस्त में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। ग्लोबल स्तर पर बढ़ती मांग और सीमित सप्लाई के बीच कॉपर बाजार में दबाव बढ़ रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और ढ्ढ डेटा सेंटर जैसे सेक्टर इसकी खपत बढ़ा रहे हैं।भारत में तांबे की कीमत अगस्त 2026 में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। 17 अगस्त को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि। (ख्रष्ठङ्क) पर कॉपर कॉन्ट्रैक्ट भी लगभग इसी स्तर पर कारोबार कर रहे थे। बाजार में सिर्फ कीमत ही नहीं बढ़ी है, बल्कि तुरंत सप्लाई हासिल करने के लिए खरीदारों को



प्रीमियम भी चुकाना पड़ रहा है।कॉपर की कीमतों में तेजी के पीछे ग्लोबल डिमांड और सप्लाई के बीच बढ़ता अंतर बड़ी वजह माना जा रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और डेटा सेंटर जैसे सेक्टर में कॉपर की जरूरत तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से लंदन मेटल एक्सचेंज के करीब बनी हुई हैं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन होंगी शबनम सिन्हा·

सुनील मित्तल 10 साल बाद पद छोड़ेंगे, 30 सितंबर को कंपनी के बोर्ड से हटेंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वर्ल्ड बैंक की पूर्व लीड स्पेशलिस्ट और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर डॉ. शबनम सिन्हा 1 अक्टूबर 2026 से बैंक की नई चेयरपर्सन के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगी।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन शबनम सिन्हा होंगी। वे 1 अक्टूबर 2026 से यह पद संभालेंगी। शबनम नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन सुनील भारती मित्तल की जगह लेंगी। मित्तल 30 सितंबर को अपना 10 साल का कार्यकाल पूरा करके बोर्ड से हट जाएंगे।डॉ. शबनम सिन्हा के पास बैंकिंग, गवर्नेंस और डिजिटल बदलाव का 30 से ज्यादा सालों का ग्लोबल अनुभव है। उन्होंने 2010-2025 यानी 15 साल वर्ल्ड बैंक में बतौर लीड स्पेशलिस्ट काम किया। यहां उन्होंने एशिया, यूरोप और अफ्रीका में 4 बिलियन डॉलर यानी करीब ?38,000 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी संभाली।

वर्ल्ड बैंक से पहले वह ढ्ढरू स्र्ढ्ढ एजुकेशन की



ष्टश्वह्र रह चुकी हैं और स्र्ढ्ढष्ठ व ह्वष्टश्वक्रस्र के साथ भी लंबे समय तक काम कर चुकी हैं। फिलहाल वह एयरटेल पेमेंट्स बैंक, वेदांता और भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन जैसे बड़े संस्थानों के बोर्ड में शामिल हैं।शबनम सिन्हा बोली- जिम्मेदारी मिलना सम्मान की बात

डॉ. शबनम ने कहा कि एयरटेल पेमेंट्स बैंक की कमान संभालना मेरे लिए गर्व की बात है, खासकर ऐसे वक्त में जब डिजिटल बैंकिंग देश की तरक्की में सबसे अहम रोल निभा रही है। बैंक ने आसान तकनीक के जरिए एक ऐसा मजबूत और भरोसेमंद जरिया तैयार किया है,।

राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था।

मेटा पर भारी जुर्माने का संकट

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

मेटा अब एक नए कोर्ट केस का सामना करने जा रही है, जहां जहां उसके ऊपर कई गंभीर आरोप लगे हैं. प्लेटफॉर्म पर आरोप हैं कि उसकी वजह से लोगों को सोशल मीडिया की लत लग रही है और उसके ऐप्स कई तरह के नुकसान पहुंचा जा रहे हैं।

साथ ही उसके ऐप्स की वजह से बच्चों की मेंटल हेल्थ भी प्रभावित हो रही है, जिसके कारण कंपनी को दर्जनों केस का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कंपनी को 1।4 ट्रिलियन डॉलर (करीब 133।92 लाख करोड़ रुपये) के जुर्माने तक भरना पड़ सकता है।

नए मामले की सुनवाई मंगलवार को कैलिफोर्निया के ओकलैंड स्थित संघीय अदालत में शुरू की जाएगी। बीते सप्ताह मेटा ने इस मामले को खारिज कराने की मांग की थी, लेकिन कंपनी की अर्जी को कंपनी ने



स्वीकार नहीं किया।

सीईओ मार्क जकरबर्ग को पड़ेगा पेश

इस केस के दौरान मेटा के टॉप ऑफिसर्स और कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग तक की सुनवाई हो सकती है। साथ ही कंपनी पर बहुत मोटा जुर्माना तक लगाया जा सकता है। राज्यों ने मेटा पर आरोप लगाया था कि मेटा ने जानबूझकर ऐसे फीचर्स को तैयार किया है, जो असल में यूजर्स को उसके प्लेटफॉर्म का आदि बनाते हैं।

2023 में मेटा के खिलाफ दायर केस से कनेक्ट हैं

यह मामला साल 2023 में कई अमेरिकी राज्यों की ओर से मेटा के खिलाफ दायर किए गए केस से कनेक्टेड है। यह कार्रवाई कंपनी की सुरक्षा नीतियों को लेकर कई राज्यों की जांच के बाद हुई, जिसके बाद जांच में बच्चों और किशोरों को होने वाले गंभीर नुकसान सामने आए थे। ये जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी है।

मेटा के खिलाफ आरोप सुनेंगें

सुनवाई के दौरान जज यवोन गोंजालेज रोजर्स कैलिफोर्निया, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी के आरोपों को सुनेंगे, जिसमें मेटा पर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि मेटा ने अपने ऐप्स की सुरक्षा को लेकर जानबूझकर गुमराह किया और उपभोक्ता संरक्षण कानूनों का उल्लंघन किया।

चार राज्यों समेत कुल 29 राज्य मेटा पर चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट के उल्लंघन के आरोप लग चुके हैं। राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था ।

विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड



विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड

मारुति सुजुकी भारत में सबसे ज्यादा कारें बेचती है. मारुति सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि विदेशों में एक्सपोर्ट के लिए भी कई कारें बनाती है। ऐसी ही एक कार मारुति सुजुकी फॉन्क्स है, जो काफी ज्यादा एक्सपोर्ट हो रही है। इस कार की 2 लाख यूनिट्स को भारत से बाहर एक्सपोर्ट किया जा चुका है। इस आंकड़े तक यानी 2 लाख एक्सपोर्ट तक मारुति सुजुकी फॉन्क्स सबसे तेजी से पहुंची है। कॉम्पैक्ट एसयूवी को यहां तक पहुंचने में 38 महीनों का वक्त लगा है। फॉन्क्स का एक्सपोर्ट जून 2023 में शुरू हुआ। फिलहाल इस मेड इन इंडिया एसयूवी को 90 देशों में एक्सपोर्ट किया जाता है। मारुति इस कार की मैन्युफैक्चरिंग गुजरात के हंसलपुर प्लांट में करती है।



क्या संसद 'अवैध' है?

राजधानी दिल्ली के 'रामलीला मैदान' में विपक्ष के 21 दलों की साझा 'वोट चोरी' रैली सफल रही अथवा नहीं रही, हम इस पचड़े में फंसना नहीं चाहते, लेकिन देश भर में एक संदेश देने में विपक्ष जरूर सफल रहा है। यह संदेश है कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता के खिलाफ 'देशद्रोह' का केस चलाया जाएगा और उन्हें जेल में भेजा जाएगा। यह तभी संभव होगा, जब ज्ञानेश अपने संवैधानिक पद से इस्तीफा दे दें अथवा संसद में उनके खिलाफ 'महाभियोग' प्रस्ताव पारित हो जाए। फिलहाल दोनों ही स्थितियां संभव नहीं लगतीं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने साफ कहा है कि हम प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को कहीं जाने नहीं देंगे, क्योंकि वे 'वोट चोरी' की आपराधिक साजिश में संलिप्त रहे हैं। उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह भी तभी संभव होगा, जब केंद्र में विपक्ष के 'इंडी' गठबंधन की सरकार होगी और राहुल गांधी प्रधानमंत्री होंगे। सर्वोच्च अदालत भी कानूनी कार्रवाई पर फैसला दे चुकी होगी! फिलहाल इसके भी आसार नहीं हैं, बेशक विपक्ष कितनी भी हुंकारें भरता रहे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ये कथन सवालिया और गलत हैं कि 2024 का लोकसभा चुनाव 'अवैध' था। मतदाता सूचियों से 13.5 करोड़ नाम काट दिए गए। करीब 15 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए। हर 7 में से 1 मतदाता का नाम हटा दिया गया, जबकि जीत-हार का अंतर मात्र 3 फीसदी था। राहुल गांधी ने यह गलत बोला है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 19-20 फीसदी वोट मिले थे, जबकि भाजपा को 38 फीसदी से अधिक मतदाताओं का समर्थन मिला था। कांग्रेस के 99 सांसदों और अकेली भाजपा के 240 सांसदों की संख्या के बीच बहुत बड़ा फासला है। यदि 2024 का संसदीय चुनाव 'अवैध' था, तो सिर्फ प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा सांसदों के ही चुनाव 'अवैध' नहीं थे, बल्कि नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसदों के निर्वाचन भी 'अवैध' हैं।

(एक नजर)

कार्तिक में तुलसी की पूजा करते हैं तो जान लें जरूरी नियम

हिंदू धर्म में कार्तिक महीने को बहुत शुभ और पवित्र माना जाता है. इस महीने भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है. साथ ही तुलसी की पूजा का भी खास महत्व है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी भगवान विष्णु को बहुत प्रिय हैं. इसलिए कार्तिक महीने में तुलसी के पौधे की पूजा करना, उसके पास दीपक जलाना और परिक्रमा करना शुभ माना जाता है. मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है. ज्योतिषाचार्य शैलेंद्र पांडे के अनुसार, कार्तिक महीने में तुलसी का पौधा लगाना और रोज उसकी पूजा करना विशेष फलदायी माना जाता है. आइए जानते हैं कि तुलसी का धार्मिक महत्व क्या है और कार्तिक महीने में इसकी पूजा कैसे करनी चाहिए. हिंदू धर्म में प्रकृति को भी भगवान का रूप मानकर पूजा जाता है. नदियों, पहाड़ों और पेड़-पौधों को देवी-देवताओं से जोड़कर देखा जाता है. इसी वजह से तुलसी के पौधे को भी बहुत पवित्र माना गया है और उसे देवी का स्थान दिया गया है।

विचार

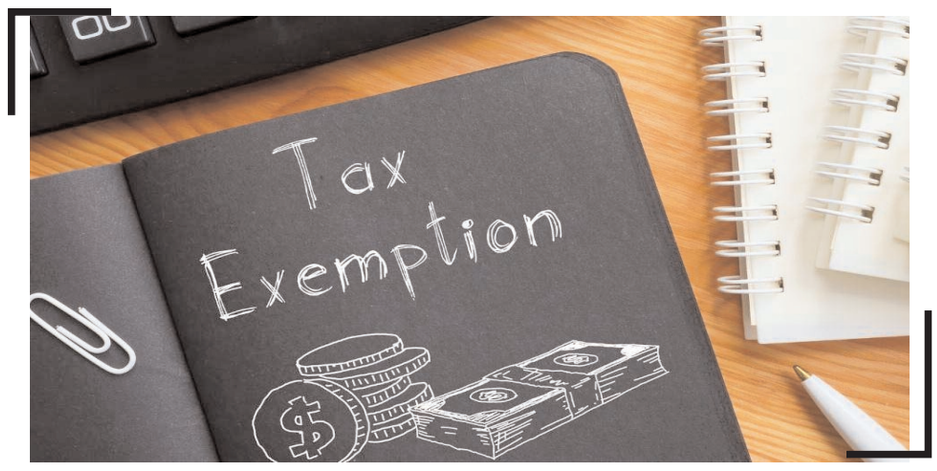
करों में छूट, नहीं है समाधान

डा. अश्वनी महाजन

लेकख

रियायतों का अंबार - यह तर्क दिया जा रहा था कि विदेशी संस्थागत निवेशकों को आकर्षित करने का एक महत्वपूर्ण तरीका करों में रियायत देने से संबंधित है। 5 जून 2026 को सरकार और रिजर्व बैंक ने स्वीकृत बांडों से होने वाले पूंजीगत लाभ को पूर्व के 12.5 प्रतिशत पूंजीगत लाभ कर और आयकर से छूट दी गई है। इसके अलावा पूर्व में जहां 15, 30 और 40 वर्ष के ब्रांड विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नहीं खरीद सकते थे, लेकिन अब उन्हें इसकी अनुमति दी गई है। इसी प्रकार अन्य प्रकार की रियायतें भी विदेशी संस्थागत निवेशकों को दी गई हैं। लेकिन उसके बावजूद इन निवेशकों की बिकवाली बदस्तूर जारी है।

वास्तव में विदेशी संस्थागत निवेशक कई अन्य कारणों से अपने शेयर बेच रहे हैं। सबसे पहला कारण अमरीका में ब्याज दरों में वृद्धि और अमरीकी सरकार के बांडों पर आकर्षक लाभ हैपिछले काफी समय से भारत के शेयर बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशक भारत में बिकवाली कर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा बाहर ले जा रहे हैं। वर्ष 2026-27 के प्रथम 7 महीने से भी कम समय में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशक 1.7 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली कर चुके हैं, जिससे रुपए पर दबाव बन रहा है और उसमें अवमूल्यन हो रहा था। नीति निर्माता चिंतित हैं और तरह-तरह से प्रयास कर उन्हें भारत की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार पर उन्हें पहले से अधिक रियायतें देने संबंधी दबाव भी बन रहा है।रियायतों का अंबार -यह तर्क दिया जा रहा था कि विदेशी संस्थागत निवेशकों को आकर्षित करने का एक महत्वपूर्ण तरीका करों में रियायत देने से संबंधित है। 5 जून 2026 को सरकार और रिजर्व बैंक ने स्वीकृत बांडों से होने वाले पूंजीगत लाभ को पूर्व के 12.5 प्रतिशत पूंजीगत लाभ कर और आयकर से छूट दी गई है। इसके अलावा पूर्व में जहां 15, 30 और 40 वर्ष के ब्रांड विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नहीं खरीद सकते थे, लेकिन अब उन्हें इसकी अनुमति दी गई है। इसी प्रकार अन्य प्रकार की रियायतें भी विदेशी संस्थागत निवेशकों को दी गई हैं। लेकिन उसके बावजूद इन निवेशकों की बिकवाली बदस्तूर जारी है। लेकिन यह जरूर हुआ है कि अब विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सरकारी बांडों में निवेश बढ़ा दिया है। अब क्या मांग है विदेशी संस्थागत निवेशकों की? हालांकि सरकार ने विदेशी संस्थागत निवेशकों की सरकारी ऋण प्रतिभूतियों पर आयकर और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभों से छूट पहले ही दे दी है, अब उनकी मांग है कि उन्हें शेयरों पर मिलने वाले पूंजीगत लाभों और अन्य लाभों पर कर से



छूट मिलनी चाहिए। गौरतलब है कि यह छूट उनको पहले भी प्राप्त थी। दूसरे, विदेशी निवेशक सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में भी कमी चाहते हैं। गौरतलब है कि इस साल बजट में सरकार ने 'फ्यूचर और ऑप्शन' (एफएंडओ) में एसटीटी को बढ़ाया था। पिछले सालों में एफएंडओ की वजह से रिटेल इन्वेस्टरों को बड़ा घाटा उठाना पड़ा था और इसका फायदा बड़ी विदेशी कंपनियों ने उठाया। सेक्यूरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड (सेबी) की रिपोर्ट के अनुसार 4850 करोड़ रुपए का गैर-कानूनी लाभ 'जेनस्ट्रीट' सरीखी कंपनी ने एफएंडओ से कमाया। कुल मिलाकर कंपनी ने जनवरी 2023 और मार्च 2025 के बीच 36700 करोड़ रुपए का लाभ कंपनी ने कमाया। यह लाभ वास्तव में छोटे निवेशकों का नुकसान है। तीसरे, विदेशी संस्थागत निवेशक चाहते हैं कि प्राइवेट एक्विटिविटी फंड टाइगर ग्लोबल, से संबद्ध मामले में जो सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आया है, उसके बारे में यह स्पष्ट करें कि 2027 के पूर्व के निवेश पर भारतीय टैक्स लागू होंगे अथवा नहीं। गौरतलब है कि 2017 में भारत ने मॉरीशस के साथ दोहरे टैक्स वचन समझौते में बदलाव कर दिया था और मॉरीशस के रास्ते आने वाले निवेश पर कर लगाने का निर्णय लिया था। चौथे, विदेशी संस्थागत निदेशक अन्य प्रकार से सुविधाएं चाहते हैं, जैसे टैक्स रिफंड को आसान बनाना, केवाईसी और लाभार्थी का खुलासा करने की अनिवार्यता से मुक्त किया जाए। समझा जा सकता है कि विदेशी संस्थागत निवेशक वे सभी सुविधाएं चाहते हैं जो अभी तक घरेलू निवेशकों को उपलब्ध नहीं हैं। करों में छूट अथवा मुक्ति अथवा केवाईसी नियमों में छूट आदि देश के लिए अमंगलकारी होते हैं।

विचार

महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट

ललित गर्ग

लेखक

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी ब बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल,



आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है।किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है। जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका को रेखांकित किया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है। ग्रामीण भारत में निर्धनता की तेज गिरावट ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक अंतर को भी कम करने में योगदान दिया है।एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है।

विचार

नाकामी पर नाज

विश्व मोहन मिश्र

लेखक

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बनाने के बाद टीम इंडिया ने आखिरी दो मुकाबले गंवा दिए। लगातार दो हार के साथ टीम की कमजोरियां भी उजागर हुईं, लेकिन हेड कोच गौतम गंभीर की ड्रेसिंग रूम स्पीच में हार की चुभन से ज्यादा खिलाड़ियों की तारीफ सुनाई दी। आखिर इस प्रदर्शन पर गंभीर की शाबाशी के क्या मायने हैं?गौतम गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया का अजीब ही गणित दिख रहा है। तीन मैच जीते तो वाहवाही, लगातार दो मैच गंवाए तो भी खिलाड़ियों की पीठ थपथपाई गई। न्यूजीलैंड ने भारतीय गेंदबाजी की कलई खोल दी, बल्लेबाजी के प्रयोगों पर सवाल खड़े हो गए, लेकिन कोच की ड्रेसिंग रूम स्पीच में गलतियों का हिसाब नहीं, सिर्फ तारीफ सुनाई दी। क्या इसी अंदाज में वर्ल्ड कप की तैयारी होगी? गौतम गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया को आक्रामक क्रिकेट खेलना है। निडर होकर खेलना है। किसी भी विरोधी से डरना नहीं है। लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों ने एक अलग ही तस्वीर पेश कर दी। भारत ने सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली थी। लग रहा था कि न्यूजीलैंड के पास



भारतीय टीम के सामने टिकने का कोई रास्ता नहीं है। फिर अचानक कहानी पलट गई। न्यूजीलैंड ने लगातार दो मैच जीतकर सीरीज का अंतर 3-2 कर दिया।

टीम इंडिया सीरीज जीत गई, लेकिन क्या इस प्रदर्शन को लेकर सीना चौड़ा किया जा सकता है? तीन मैच जीतने के बाद लगातार दो मुकाबले गंवाना और उसमें भी जिस तरह टीम की कमजोरियां उजागर हुईं, वह जश्न मनाने से ज्यादा आत्ममंथन का मौका था। मगर हैमिल्टन में गंभीर की ड्रेसिंग रूम स्पीच सुनकर लगा कि जैसे टीम कोई ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करके लौटी हो। गंभीर ने खिलाड़ियों से कहा कि उन्हें अपने प्रयास पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने न्यूजीलैंड के घर में सीरीज जीतने को बड़ी उपलब्धि बताया और खिलाड़ियों से सिर ऊंचा करके लौटने को कहा। सवाल यह नहीं है कि कोच खिलाड़ियों का हौसला क्यों बढ़ा रहे हैं। यह तो उनकी जिम्मेदारी है। असली सवाल है कि लगातार दो हार के बाद उन्हें टीम की गलतियों पर बात करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं हुई? क्या खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिए हार की कड़वी सच्चाई को किनारे रखना जरूरी है?

सीरीज का स्कोर 3-2 है, लेकिन इसे सिर्फ जीत के चश्मे से देखना सबसे बड़ी गलती होगी। भारत ने 3-0 की बढ़त बनाई थी। इसके बाद न्यूजीलैंड ने लगातार दो मैच जीतकर भारतीय टीम की रणनीति की परीक्षा ली और भारत उसमें लड़खड़ा गया। चौथे टी20 में न्यूजीलैंड ने 260 रन ठोक दिए। ग्लेन फिलिप्स ने 49 गेंदों पर 107 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजी की धज्जियां उड़ा दीं। जवाब में भारतीय बल्लेबाजी भी बुरी तरह बिखरी और टीम 87 रनों से मुकाबला हार गई। पांचवें मैच में भी न्यूजीलैंड ने सात विकेट से जीत दर्ज की। अब जरा सोचिए। जिस टीम को सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल थी, वह अचानक लगातार दो मुकाबले कैसे हार गई? क्या न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम की कमजोरियां पकड़ ली थीं? क्या गेंदबाजों के पास विपक्षी बल्लेबाजों को रोकने का कोई दूसरा प्लान नहीं था? क्या बल्लेबाजी क्रम को लेकर टीम प्रबंधन खुद ही उलझा हुआ था? इन सवालों का जवाब ढूंढना जरूरी था। लेकिन गंभीर की स्पीच में इन सवालों की जगह खिलाड़ियों के प्रयास की तारीफ ने ले ली। जीत का मतलब सिर्फ ट्रॉफी उठाना नहीं होता। जीत के बाद भी यह देखना पड़ता है कि टीम कहां कमजोर है। वरना अगली बार यही कमजोरियां बड़ी कीमत वसूल सकती हैं।

टीम इंडिया की बल्लेबाजी में धमाका करने वाले खिलाड़ियों की कमी नहीं है। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन जैसे बल्लेबाज बड़े स्कोर खड़े कर सकते हैं। लेकिन टी20 क्रिकेट सिर्फ छक्कों और चौकों से नहीं जीता जाता। अगर गेंदबाज हर दूसरे मुकाबले में विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका देंगे तो बल्लेबाजों के लिए भी हर बार चमत्कार करना संभव नहीं होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी दो मैचों में भारतीय गेंदबाजी की कमजोरियां खुलकर सामने आईं। चौथे मुकाबले में 259 रन लुटाना किसी भी लिहाज से सामान्य बात नहीं है। फिलिप्स ने भारतीय आक्रमण को जिस तरह निशाना बनाया, उससे साफ था कि टीम के पास उन्हें रोकने की ठोस योजना नहीं थी। गेंदबाजों की लाइन-लेंथ बिगड़ी, रन रोकने का दबाव नहीं बना और न्यूजीलैंड ने मैदान के हर हिस्से में रन बटोरे। सवाल है कि क्या टीम प्रबंधन इस प्रदर्शन से संतुष्ट है? क्या गेंदबाजी कोच और हेड कोच ने इस पर गंभीर समीक्षा की है? क्या डेथ ओवरों की रणनीति पर काम होगा? सिर्फ खिलाड़ियों को फिट रहने की सलाह देने से गेंदबाजी की ये कमजोरियां दूर नहीं होने वालीं।

गंभीर की कोचिंग में टीम के बल्लेबाजी संयोजन को लेकर भी कई सवाल हैं। भारत के पास अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी जैसे विकल्प हैं। लेकिन इन विकल्पों के बीच टीम प्रबंधन अपनी प्राथमिकताएं साफ करता नहीं दिखा। वैभव को शुरुआती मैचों में मौका मिला, फिर उन्हें बाहर बैठना पड़ा। ईशान की वापसी के बाद टीम का समीकरण फिर बदला। यहां सवाल यह नहीं है कि वैभव को हर मैच में खिलाया जाना चाहिए था या नहीं। सवाल यह है ।



जीवन में प्यार की शक्ति का रहस्य अजीबोगरीब है। इसकी ऊर्जा अनंत है। इसके आभास मात्र से आप सक्रिय हो उठते हैं। भरपूर शक्ति के साथ काम में जुट जाते हैं। यही अहसास अगर जीवन संगिनी के साथ होने का हो तो तय है कि आप इसके बल पर अपनी जिंदगी में किसी भी मुकाम को हासिल कर सकते हैं।

जरा छूकर देखो

सामान्यतया जीवन संगिनी के प्रेम को लेकर भारतीय समाज में ढेरों धारणाएं हैं। ऐसा माना जाता है कि अगर जीवनसाथी के साथ व्यावहारिक जीवन सहज है तो उससे बेहतर जिंदगी नहीं हो सकती। वास्तव में है भी ऐसा, क्योंकि तरोताजा बने रहने और पूरी क्षमता के साथ काम करने के लिए सुकून सबसे अहम चीज है। इसे आप पैसों से नहीं खरीद सकते। इसे आप अपने व्यवहार और आपसी समझ से ही प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए कहा गया है कि प्यार केवल भावनाओं का लेना-देना नहीं, बल्कि इसमें स्पर्श का योगदान सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। कुछ समय पहले ही अमेरिका में हुए एक शोध में पाया गया है कि कोई भी महिला या लड़की किसी पुरुष को अगर प्यार से छू ले या पुरुष के पीठ का स्पर्श मात्र कर दे तो उसे सुकून मिलता है। उसका मानसिक तनाव कुछ कम हो जाता है। वह दुगुनी साहस के साथ चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए उठ खड़ा होता है।

स्पर्श में जादू

महिलाओं के स्पर्श में वह जादू है, जो दवा का काम करता है। महिलाओं के छुअन मात्र से पुरुष खुद को सुरक्षित महसूस करने लगते हैं। कोई भी खतरा मोल लेने को तैयार हो जाते हैं। सुरक्षा

सजने-संवरने पर रोज दीजिए 18 मिनट

ज्यादातर लोगों की हमेशा यह जानने में दिलचस्पी होती है कि महिलाएं घर से बाहर निकलने से पहले आइने के सामने कितना समय लगाती हैं। अब तक महिलाओं के बारे में यह पता नहीं चल सका है। लेकिन इसका जवाब मिल गया कि ब्रिटेन में पुरुषों को सजने-संवरने में कितना समय लगता











एक शोध में पता चला है कि औसत ब्रिटिश पुरुष रोज सुबह तैयार होने या संजने-संवरने में पूरे 18 मिनट खर्च करते हैं। ब्रिटेन में खुद की खूबसूरती पर गुमान करने वाले पुरुषों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ये पुरुष अपने जीवनकाल में 5,105 मिनट या अपनी जिंदगी साढ़े तीन से कुछ ज्यादा दिन आइने के सामने खुद को आकर्षक बनाने में व्यतीत करते हैं। यह सर्वेक्षण 1,012 पुरुषों पर किया गया था। इनमें से 54 प्रतिशत लोगों ने स्वीकार किया कि वे अपने साथी को खुश करने के लिए ऐसा करते हैं।

दूसरों से स्मार्ट लगें

एक चौथाई पुरुषों का कहना था कि वे साथी पुरुषों से श्रेष्ठ दिखने की प्रतिस्पर्धा में ऐसा करते हैं। 38 प्रतिशत पुरुषों का कहना था कि वे अपने व्यक्तित्व को निखारने या खुद को खूबसूरत बनाने के संबंध में बहुत थोड़ा ही जानते हैं। उनका कहना था कि उन्हें इसके नुस्खे पूछने में झिझक महसूस होती है। वेल्श में सबसे ज्यादा, 70 प्रतिशत पुरुषों ने स्वीकार किया कि वे खूबसूरत दिखने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। इससे विपरीत वेस्ट मिडलैंड्स में पुरुषों को तैयार होने में केवल 10 मिनट का समय लगता है। उनका कहना था कि संजने-संवरने में 18 मिनट जरूर लगते हैं, लेकिन जब किसी से पहली बार मिलते हैं तो वह तारीफ करता है।

तैयार करें परफेक्ट ट्रेवल ब्यूटी किट



मेकअप और जरूरी सामान रखने के लिए ज्यादातर महिलाओं के पास ब्यूटी किट होती है। मगर, मुश्किल तब आती है जब आपको इस ब्यूटी किट को अपने साथ ले जाना हो और आपको यह समझ न आए कि क्या रखें और क्या न रखें। तो अब जानिए हर ओकेजन के हिसाब से कैसे तैयार करें ब्यूटी किट।



शादी के लिए

- शादियों के लिए जब भी ब्यूटी किट तैयार करें, तो उसमें अपने पसंदीदा परफ्यूम के लिए जगह बनाएं।
- सहेली की बिदाई के दौरान कई बार आंखें नम हो जाती हैं, इसलिए एक वाटरप्रूफ मस्कारा रखना न भूलें।
- शादी में कई कार्यक्रम होते हैं और हर कार्यक्रम में नया हेयरस्टाइल होना जरूरी है। इसलिए एक हेयर स्ट्रेटनर और एक हेयर कर्लर रखना न भूलें।

पार्टी के लिए

- हेयर एक्सटेंशन, हेयर मस्कारा साथ रखें, ताकि आपके बाल सभी से ज्यादा स्टाइलिश नजर आ सकें।
- अगर आपके बाल काफी लंबे हैं, तो आप हेयर मूस को साथ रखें, इससे आपके बाल अधिक घने और चमकदार दिखते हैं।
- एक हेयर रिमूवल क्रीम और रेजर भी पैक करना न भूलें
- क्लींजिंग मिल्क भी जरूर रखें, ताकि आप पार्टी मेकअप को ठीक तरह से अपने चेहरे से हटा सकें।

पिकनिक के लिए

- क्योंकि आप पूरा समय बाहर रहने वाली हैं तो अपने बैग में एसपीएफ 30 सनस्क्रीन लोशन रखना न भूलें।
- इस दौरान आपको कई वेट वाइप्स या टिशूज भी पैक करने चाहिए, क्योंकि पिकनिक पर भागा-दौड़ काफी होती है।
- एक अच्छा हैंड सेनिटाइजर रखना न भूलें। क्योंकि हाथ

अब जींस पर साड़ी

फैशन के इस दौर में साड़ी को अलग ढंग से बांधने के तरीके से अवगत कराया जा रहा है। पारंपरिक परिधानों को नए अवतार में पेश करने के विषय में पूछने पर बताया छरहरी और लंबी दिखने वाली लड़कियां साड़ी पर बेल्ट लगा सकती हैं। इसमें आप अधिक युवा और आकर्षक नजर आएंगी। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के लिए शादी का जोड़ा तैयार किया था ताहिलयानी ने। उनका कहना है कि सुनहरी या चांदी की रंगत वाली बेल्ट पारंपरिक कमरबंध के स्थान पर आधुनिक कमरबंध के रूप में इस्तेमाल की जा सकती है। अब जींस के ऊपर साड़ी बांधना नए फैशन में है।



अब एक फैशन में पारंपरिक साड़ी को अलग-अलग तरह से बांधकर उसे अब एक नये ढंग व आधुनिक रूप दिया जा सकता है। डिजाइनरों के अनुसार इन दिनों जींस के ऊपर साड़ी बांधने या साड़ी पर बेल्ट लगाने का फैशन है। युवा लड़कियों ने साड़ी बांधने के इन तरीकों का स्वागत

बिंदास लुक के लिए टशनी ट्राउजर



लेटेस्ट फैशन

टाइट फिटेड ट्राउजर व जींस वार्डरोब से बाहर हो चुके हैं और इनकी जगह वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस ने ले ली है। पिछले दिनों आईं कई फिल्मों में वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस खूब दिखाई दीं। यदि आप भी कुछ नई ड्रेस तलाश रही हैं, तो इन्हें ट्राई कर सकती हैं।

रफ एंड टफ ड्रेस

वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस रफ एंड टफ स्टाइल है, जो आपको ग्लैमरस व बोल्ड लुक देता है। लड़कियां बिंदास लुक चाहती हैं, तो उनके लिए यह परफेक्ट ड्रेस है। इस आउटफिट पर चौड़ी बेल्ट भी फैशन में है। इसमें आप लेदर या फिर ट्राउजर के फैब्रिक से ही मैच करती बेल्ट डिजाइन करवा सकती हैं। यदि आप हाई वेस्ट वाइड लेग्स ट्राउजर पहन रही हैं, तो उस पर चौड़ी बेल्ट पहनें। इससे लुक अच्छा आएगा।

डिजाइन व पैटर्न

आप इन्हें कई स्टाइल में खरीद सकती हैं। इसमें हाई वेस्ट, लो वेस्ट, प्लेटेड वगैरह स्टाइल खास हैं। इसके साथ फिटेड टी-शर्ट, फ्रील शर्ट, शॉर्ट जैकेट को कोट के साथ मैच करके पहना जा सकता है। आप वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस की चौड़ाई अपनी चॉइस के मुताबिक कम या ज्यादा भी करवा सकती हैं।

1980 का ट्रेंड

वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस नया स्टाइल नहीं है। यह 1980 का फैशन है, जो नए अंदाज के साथ लौट आया है। डिजाइनर्स ने इसमें अपनी क्रिएटिविटी यूज करके इसे और भी स्टाइलिश व फैंसी बना दिया



यदि आप बिंदास व रफ एंड टफ लुक चाहती हैं, तो वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस ट्राई कर सकती हैं। यह नया ट्रेंड है और इन दिनों लड़कियों के बीच बेहद पॉपुलर है। एक नजर डालते हैं इसके ट्रेंड पर।

नए प्रिंटेट

यदि प्रिंट की बात की जाए तो इसमें प्लेन, प्रिंटेड, एम्ब्रॉयडरी वर्क भी ट्रेंड में हैं। कई फैशन डिजाइनर्स ने वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस में कई डिजाइन पेश किए हैं। इसमें शीयर फैब्रिक में भी आपको ट्राउजर मिल जाएंगे, जो पूरी तरह नया स्टाइल है।

बेस्ट कलर

आप लाइट कलर के ट्राउजर ही चुनें। वाइट, लाइट स्काई, पिंक, पर्पल, ग्रे, यलो व डल ब्लैक वगैरह प्रिफर करें। वहीं फ्लेयर लेग्स जींस में ब्लू,

न्यूज इन शॉर्ट

कांकेर जिले में 111 जर्जर और 26 भवनविहीन उचित मूल्य दुकानों के लिए तैयार किया गया प्रस्ताव

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक सुचारु, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए उचित मूल्य दुकानों के भवनों की स्थिति में सुधार की पहल की जा रही है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित दुकानों की भौतिक स्थिति और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जर्जर भवनों की मरम्मत, नवीन उचित मूल्य दुकान सह गोदाम निर्माण तथा भवनविहीन दुकानों के लिए आधारभूत सुविधाएं विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। प्रस्तावित कार्यों की स्वीकृति के लिए प्रकरण मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत उत्तर बस्तर कांकेर को प्रेषित किया गया है।

कांकेर जिले में संचालित कुल 496 उचित मूल्य दुकानों में से 111 दुकानें सह गोदाम के भवन अत्यंत जर्जर स्थिति में हैं, वहीं 26 उचित मूल्य दुकानें स्वयं के भवन के अभाव में अन्य शासकीय भवनों में संचालित हो रही हैं। इसके साथ ही 07 नवीन उचित मूल्य दुकानों के लिए भी आवश्यकतानुसार भवन निर्माण एवं सुविधाओं के विकास की आवश्यकता चिन्हांकित की गई है।

इस पहल का उद्देश्य उचित मूल्य दुकानों के संचालन के लिए सुरक्षित एवं बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध कराना, खाद्यान्न के सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था मजबूत करना तथा राशन वितरण प्रणाली को अधिक व्यवस्थित और सुगम बनाना है। भवनों के सुधार एवं नवीन निर्माण से उचित मूल्य दुकानों के संचालन में सुविधा बढ़ेगी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के हितग्राहियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

खेत बचाओ अभियान- ग्राम मुरता में कृषक जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

रायपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर द्वारा संचालित खेत बचाओ अभियान-रबी 2026 के अंतर्गत सोमवार को जिला बेमेतरा के नवागढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत मुरता में कृषक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुल 37 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में संस्थान वैज्ञानिक डॉ. विनोद कुमार वाशनिक एवं डॉ. आशीष मराठे ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक एवं जैविक खेती तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों को रासायनिक उर्वरकों का संतुलित एवं आवश्यकता आधारित उपयोग करने, मृदा की उर्वरता बनाए रखने तथा फसल उत्पादन में प्राकृतिक एवं जैविक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों एवं किसानों के बीच संवादात्मक परिचर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें किसानों ने खेती से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं चुनौतियों पर चर्चा की। वैज्ञानिकों ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए स्थानीय कृषि परिस्थितियों के अनुरूप टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। साथ ही फसल अवशेष प्रबंधन तथा मृदा एवं जल संसाधनों के संरक्षण के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। ग्राम पंचायत मुरता के सरपंच श्री बुधारू गेण्डले की उपस्थिति एवं सहभागिता से कार्यक्रम को स्थानीय स्तर पर प्रोत्साहन मिला।

रायपुर जिले में उचित मूल्य दुकानों से शक्कर की आपूर्ति एवं वितरण जारी

रायपुर। रायपुर जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में शक्कर की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रही है। जिला प्रशासन और खाद्य विभाग द्वारा जिले में शक्कर की आपूर्ति व वितरण प्रक्रिया पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है, ताकि पात्र हितग्राहियों को तय व्यवस्था के अनुरूप समय पर राशन सामग्री प्राप्त हो सके और किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

राज्योत्सव में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रदर्शनी बनी वैज्ञानिक खोजों और आधुनिक तकनीक का आकर्षण

राज्योत्सव में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रदर्शनी बनी वैज्ञानिक खोजों और आधुनिक तकनीक का आकर्षण

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राज्योत्सव की विज्ञान प्रदर्शनी आम नागरिकों को जीवन से जोड़ने के साथ वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से विकसित छत्तीसगढ़ की नई संभावनाओं को सामने ला रही है। क्या कभी ऐसा हो सकता है कि दोपहर में सूरज सिर के ठीक ऊपर हो और आपकी परछाई ही गायब हो जाए? क्या रागी, कोदो और बाजरा जैसे मोटे अनाज भविष्य में कैंसर रोधी दवाओं के विकास का आधार बन सकते हैं? इन रोचक सवालों के वैज्ञानिक जवाब और भविष्य की संभावनाएं नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रदर्शनी में देखने को मिल रही हैं। प्रदर्शनी में खगोल विज्ञान, औषधीय अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन तकनीक और ग्रामीण विकास से जुड़े नवाचारों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।



कर्क रेखा पर बनेगा एस्ट्रो साइंस सेंटर, जहां समझ सकेंगे शून्य छाया दिवस का रहस्य

प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण 'जीरो शैडो डे' अर्थात शून्य छाया दिवस का वैज्ञानिक प्रदर्शन है। सूरजपुर जिले की प्रतापपुर तहसील के ग्राम मायापुर में कर्क रेखा पर एस्ट्रो साइंस सेंटर प्रस्तावित है। शून्य छाया दिवस वह विशेष खगोलीय घटना है, जब स्थानीय सौर दोपहर में सूर्य ठीक सिर के ऊपर होता है और किसी सीधी खड़ी वस्तु की छाया लगभग शून्य हो जाती है। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के 33 जिलों में इस घटना की संभावित तिथियों और समय की जानकारी दी गई है। प्रस्तावित केंद्र के माध्यम से विद्यार्थियों और नागरिकों को खगोल विज्ञान तथा पृथ्वी एवं सूर्य की स्थिति से जुड़ी वैज्ञानिक घटनाओं को समझने का अवसर मिलेगा।

दंतेवाड़ा राज्योत्सव में पद्मश्री डॉ. बुधरी ताती और स्वच्छता दीदियों का सम्मान

दंतेवाड़ा राज्योत्सव में दिखी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत और विकास की झलक



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर दंतेवाड़ा के मेंडका डोबरा मैदान में 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' थीम पर जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पद्मश्री डॉ. बुधरी ताती सहित उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों और स्वच्छता दीदियों को सम्मानित किया गया। विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियों के माध्यम से नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में हितग्राहियों को सामग्री भी वितरित की गई। राज्योत्सव का शुभारंभ बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को संरक्षित रखते हुए विकास को गति देना सरकार की प्राथमिकता है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के निर्णय से एक नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। अलग राज्य बनने के बाद प्रदेश में विकास की नई संभावनाएं खुलीं।सांसद श्री कश्यप ने कहा कि बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में सार्वजनिक वितरण प्रणाली, धान खरीदी और ग्रामीण अधोसंरचना के क्षेत्र में हुए कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गरीब परिवारों, किसानों और वनांचल के लोगों के कल्याण के लिए कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश में गरीब परिवारों के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति और तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से भुगतान जैसी पहलें इसका उदाहरण हैं। उन्होंने योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सभी स सहभागी बनने का आह्वान किया।

विधायक श्री चैतराम अटामी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, लोककला, तीज-त्योहार और परंपराएं प्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। बस्तर और दंतेवाड़ा की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास को आगे बढ़ाना आवश्यक है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नंदलाल मुड़ामी ने कहा कि दंतेवाड़ा में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से बदलाव आ रहा है। जिले के युवा शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं।

पद्मश्री डॉ. बुधरी ताती और स्वच्छता दीदियों का सम्मान

राज्योत्सव में पद्मश्री डॉ. बुधरी ताती को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। स्वच्छता के क्षेत्र में योगदान देने वाली स्वच्छता दीदियों को भी शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

विभागीय प्रदर्शनियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभागियों को पुरस्कार

राज्योत्सव में विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनियां लगाई गईं। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री अरविंद कुंजाम, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता भास्कर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों पर जवानों का बढ़ाया उत्साह,

नक्सलवाद के अंधकार से विकास के उजाले की ओर बढ़ रहा बीजापुर: मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 02 नवंबर को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव-2026 में कैबिनेट मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद की चुनौतियों से प्रभावित रहा बस्तर अब शांति, विश्वास और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। जिन क्षेत्रों में कभी भय और हिंसा का वातावरण था, वहां अब सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब बस्तर की पहचान गोलियों की गूंज से नहीं, बल्कि विकास, खुशहाली और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से होनी चाहिए।

कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों पर तिरंगा का फहराना सुरक्षा बलों के साहस और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक

मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने बीजापुर प्रवास के दौरान कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों पर स्थित एफओबी ताड़पाला पहुंचकर सुरक्षा बलों के जवानों से मुलाकात की और उनके साहस, शौर्य एवं समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में तैनात जवानों के अथक प्रयासों और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से शांति एवं विकास की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों पर तिरंगे का फहराना सुरक्षा बलों के साहस और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के संकल्प, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व तथा उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के





श्रमिकों का किया सम्मान, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कर्रेगुट्टा क्षेत्र में निर्माण एवं विकास कार्यों में योगदान देने वाले श्रमिकों को मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विकसित बस्तर के निर्माण में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके परिश्रम और समर्पण से ही अधोसंरचना विकास को गति मिल रही है। इस दौरान उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

राज्योत्सव में प्रदेश की विकास यात्रा को किया रेखांकित

बीजापुर के जिला मुख्यालय मिनी स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को स्मरण किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्ष 2000 में राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ ने कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, तकनीकी शिक्षा और अधोसंरचना के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है।उन्होंने कहा कि बस्तर के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्हें बेहतर शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

कांकेर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया राज्योत्सव 2026

बस्तर अंचल में विकास और शांति की नई बयार- मंत्री केदार

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के पावन अवसर पर उत्तर बस्तर कांकेर जिले में राज्योत्सव 2026 का भव्य और गरिमामय आयोजन किया गया। पीएमश्री शासकीय नरहरदेव स्कूल मैदान में आयोजित इस जिला स्तरीय समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति की मनमोहक झलक देखने को मिली, जहां स्कूली बच्चों और कलाकारों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनियों का अतिथियों ने अवलोकन किया।

बस्तर अब नक्सल मुक्त होकर विकास की मुख्यधारा में शामिल- मंत्री केदार कश्यप

मुख्य अतिथि के रूप में समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप ने सभी को राज्योत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का निर्माण पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। बस्तर संभाग का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कभी चुनौतियों और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझने वाला बस्तर आज तेजी से आगे बढ़ रहा है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार सुविधाओं के विस्तार के साथ ही शासन, सुरक्षा बलों और नागरिकों के प्रयासों से क्षेत्र में शांति का वातावरण मजबूत हुआ है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आज हम बस्तर को नक्सल मुक्त होते देख रहे हैं। उन्होंने कांकेर क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार और बेहतर परिवहन व्यवस्था के लिए चल रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। कांकेर जिले में पिछले वर्षों के दौरान सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। ग्रामीण अंचलों की कनेक्टिविटी मजबूत हुई है और शासन की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंच रही हैं।



शासन की योजनाओं से हर वर्ग तक पहुंच रहा विकास का लाभ- विधायक श्री आशाराम नेताम

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक श्री आशाराम नेताम ने कहा कि राज्य निर्माण के बाद कांकेर सहित पूरे प्रदेश में प्रशासनिक और बुनियादी सुविधाओं का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। उन्होंने महतारी वंदन योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन और समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन कल्याणकारी पहलों से आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से श्विकसित छत्तीसगढ़श् का संकल्प जल्द पूरा होगा। राज्योत्सव के इस भव्य अवसर पर कलेक्टर उत्तर बस्तर कांकेर, पुलिस अधीक्षक संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पीएम केयर्स योजना से मोनिका बघेल के खाते में पहुंचे 10 लाख रुपये



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के अंतर्गत बालोद जिले की बालिका सुश्री मोनिका बघेल को 23 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 10 लाख रुपये की एकमुश्त सहायता राशि प्रदान की गई है। भारत सरकार की ओर से यह राशि उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने मोनिका को डेमो चेक प्रदान किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अपर कलेक्टर, जिला कार्यक्रम अधिकारी और जिला बाल संरक्षण अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही गैर-संस्थागत देखरेख एवं संस्थागत देखरेख के संरक्षण अधिकारी, मिशन शक्ति के परियोजना मोनिका के संरक्षक भी मौजूद रहे।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।